हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 | www.prakharpurvanchal.com | Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 199, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 18 जनवरी, 2024 दिन गुरुवार | गाजीपुर/वाराणसी

देश-दुनिया के श्रद्धालुओं का अयोध्या आवागमन होगा आसान

रामनगरी से कोलकाता और बेंगलुरु के लिए शुरू हुई वायु सेवाएं

लखनऊ। दिल्ली, मुंबई और अहमदाबाद के बाद अब कोलकाता व बेंगलुरु भी वायु सेवा के जरिये अयोध्या से जुड़ गए हैं। बुधवार को अयोध्या से कोलकाता और बेंगलुरु के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस की वायु सेवाएं शुरू हुईं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह अपने सरकारी आवास से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अयोध्या से कोलकाता के लिए वायु सेवा का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। दोपहर में अयोध्या से बेंगलुरु के लिए वायु सेवा शुरू हुई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या भारत की सनातन आस्था का प्रतीक है। आने वाले समय में अयोध्या देश और दुनिया में पर्यटकों का प्रमुख गंतव्य होने जा रहा है। 22 जनवरी को रामलला अपनी जन्मभूमि पर मूर्तरूप में विराजमान होंगे। देश और दुनिया के रामभक्त अयोध्या आने के लिए उत्सुक और आतुर हैं। इसे देखते हुए श्रद्धालुओं के अयोध्या आवागमन को सहज, सुलभ बनाने का दायित्व हमने निभाया है। योगी ने कहा कि अयोध्या को प्रमुख शहरों से चार लेन सड़कों से जोड़ना, यहां रेलवे लाइन का दोहरीकरण होना, सरयू नदी में क्रूज सेवा का संचालन और रामनगरी में अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा की स्थापना छह वर्ष पहले अकल्पनीय थी पर आज हकीकत है। बीते साढ़े नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश में न केवल नए हवाई अड्डे संचालित हुए बल्कि चार अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के साथ उत्तर प्रदेश एयर कनेक्टिविटी की दृष्टि से एक अहम राज्य हो गया है। 30 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का लोकार्पण किए जाने के साथ ही दिल्ली, मुंबई और अहमदाबाद के लिए वायु सेवाएं शुरू होने के बाद अब अयोध्या से कोलकाता और बेंगलुरु के लिए भी वायुसेवाएं प्रारंभ हो रही हैं। बेंगलुरू से अयोध्या की एयर कनेक्टिविटी होने से अब कर्नाटक से हनुमान जी के संदेश को अयोध्या तक लाने में सुविधा होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की स्थापना के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने नागर विमानन मंत्रालय को 821 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई है। अभी वहां 500 यात्री एक साथ इस विमान तल का उपयोग कर सकते हैं। वहां आठ विमान उतर सकते हैं। भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए नागर विमानन मंत्रालय ने हवाई अड्डे के विस्तार के लिए यो कार्ययोजना बनाई है, राज्य सरकार उसके क्रियान्वयन में पूरा सहयोग करेगी। कार्यक्रम में अयोध्या के प्रभारी मंत्री होने के नाते कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, अपर मुख्य सचिव नागरिक उड्डयन एसपी गोयल भी उपस्थित थे। अयोध्या के सांसद लल्लू सिंह भी कार्यक्रम से वर्चुअल माध्यम से जुड़े थे। कार्यक्रम में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से नई दिल्ली से जुड़े नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लोकार्पण के बाद अब कोलकाता और बेंगलुरु के लिए वायु सेवाएं शुरू होने से रामनगरी मात्र 17 दिनों में देश के चारों कोनों से जुड़ गई है। यह किसी करिश्मे से कम नहीं है। देश के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालु अपनी श्रद्धा अर्पित करने के लिए तीव्र गति से पुष्पक विमान की तर्ज पर अयोध्या आ सकेंगे। भविष्य में अयोध्या पूरे भारत में वायु सेवा का सबसे प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश हमारे रडार पर प्रमुख राज्य है। वर्तमान में उप्र में 10 हवाई अड्डे संचालित हैं जबकि इस वर्ष के अंत तक 16 हवाई अड्डे बन जाएंगे।

दिव्य महापुरुष थे गुरु गोविंद सिंह, खालसा पंथ बना मुगल साम्राज्य के पतन का कारण : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर प्रदेशवासियों को लख लख बधाइयां दीं। डीएवी डिग्री कॉलेज में बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि गुरु गोविंद सिंह एक दिव्य महापुरुष थे, जिनका इस धराधाम पर निश्चित प्रायोजन से आगमन हुआ था। खालसा पंथ की स्थापना ही मुगल साम्राज्य के पतन का कारण बना। पूरा देश आज दशमेश गुरु महाराज के प्रकाशोत्सव के साथ जुड़कर उनकी स्मृतियों को नमन करते हुए एक नई प्रेरणा प्राप्त कर रहा है। गुरु गोविंद सिंह महाराज एक शहीद पिता के पुत्र और शहीद पुत्रों के पिता भी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी महाराज ने सत्य और न्याय की स्थापना के लिए शहादत की जो श्रृंखला उस कालखंड में शुरू की थी, उस परंपरा को गुरु गोविंद सिंह महाराज ने भी आगे बढ़ाया। उनके चारों पुत्र साहिबजादा अजीत सिंह, जुझार सिंह, जोरावर सिंह और फतेह सिंह धर्म और देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देते हैं। उस वक्त गुरु गोविंद सिंह जी महाराज ने हमारे सामने जो उदाहरण प्रस्तुत किया वो आज भी हम सबके लिए प्रेरक हैं। मुख्यमंत्री ने गुरु गोविंद सिंह जी को नमन करते हुए कहा कि इतिहास में बहुत कम देखने को मिलता है कि कई पीढ़ियां देश और धर्म की रक्षा के लिए खुद को बलिदान कर दें।

श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा! 12 जनवरी से एक समय उपवास के साथ, 19 से 21 तक पूर्ण फलहार पर रहेंगे पीएम

प्रखर डेस्क। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में मुख्य जजमान की भूमिका निभा रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्राण प्रतिष्ठा के तीन दिन पहले कठिन व्रत और संयम से गुजरना होगा। यम नियम के तहत पीएम बिस्तर की जगह लकड़ी की चौकी पर कंबल बिछा कर शयन करेंगे। अंतिम दिन दिन सिर्फ फलाहार पर तो प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन पूर्ण उपवास पर रहेंगे। उल्लेखनीय है कि यम नियम के तहत ही पीएम मोदी बीते शुक्रवार से व्रत और कई नियमों का पालन कर रहे हैं। इस क्रम में पीएम 12 जनवरी से लगातार एक समय के उपवास पर हैं। विहिप सूत्रों के मुताबिक यम नियम और पूजा पद्धति के मुताबिक पीएम 19 जनवरी से 21 जनवरी तक पूर्ण रूप से फलहार पर निर्भर रहेंगे। प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन उन्हें पूर्ण उपवास करना होगा। इस दौरान पीएम शास्त्रों के नियमों के मुताबिक चुनिंदा मंत्रों का जाप करेंगे। नियम के मुताबिक पीएम प्राण प्रतिष्ठा से तीन दिन पहले सामान्य बिस्तर का त्याग करेंगे। प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन तक वह लकड़ी की चौकी पर कंबल बिछा कर सोएंगे। 11 दिनों के इस नियम में पीएम को हर दिन शास्त्रों के मुताबिक अलग-अलग कार्य करने होंगे। इसी नियम के तहत पीएम को अंतिम तीन दिन अन्न त्याग कर सिर्फ फलाहार पर निर्भर रहना होगा। प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन ही पीएम राम मंदिर परिसर में बने जटायु की मूर्ति की पूजा करेंगे। जटायु की मूर्ति की स्थापना विशेष रूप से मंदिर आंदोलन में अपना जीवन न्यौछावर करने वाले

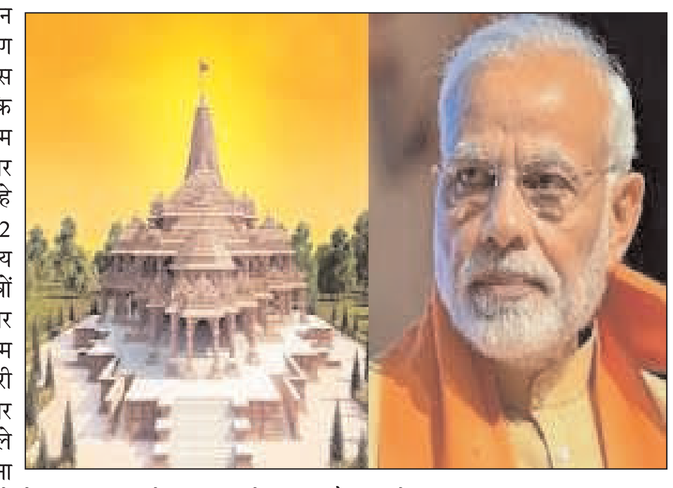

बलिदानियों की स्मृति में की गई है। पूजा के दौरान कार सेवा के दौरान शहीद हुए बलिदानियों के परिजन भी मौजूद रहेंगे। इसी दिन मोदी राम मंदिर निर्माण में जुटे मजदूरों के साथ भी संवाद करेंगे।

सात दिनों तक यजमान की भूमिका में रहेंगे डॉ. अनिल मिश्र– रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य यजमान श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ.अनिल मिश्र हैं। यजमान के रूप में उन्होंने मंगलवार को प्रायश्चित पूजन में हिस्सा लिया। अब वे सात दिनों तक यजमान की ही भूमिका में रहेंगे। प्राण प्रतिष्ठा कराने वाले कर्मकांडी ब्राह्मणों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सीएम योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, राममंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास, संघ प्रमुख मोहन भागवत और डॉ. अनिल मिश्र सपत्नीक मुख्य आयोजन के समय 22 जनवरी को उपस्थित रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी गर्भगृह में अपने हाथ से कुशा और श्लाका खींचेंगे। उसके बाद रामलला प्राण प्रतिष्ठित हो जाएंगे। इसके बाद पीएम मोदी भोग अर्पित करने के साथ ही आरती भी करेंगे।

'भारत डिजिटल तरीके से लोगों तक पहुंचा रहा सुविधाओं का लाभ', दावोस में बोलीं स्मृति ईरानी

नई दिल्ली। दावोस में विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के दौरान भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) ने बुधवार को "डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और वैश्विक प्रौद्योगिकी मूल्य श्रृंखलाओं पर भारत के प्रभाव" विषय पर CII-डेलॉइट ब्रेकफास्ट सत्र की मेजबानी की। CII द्वारा आयोजित सत्र में डिजिटल भारत के कौशल को प्रदर्शित किया गया। सत्र के दौरान, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने एक अरब से अधिक की विशाल आबादी को प्रौद्योगिकी-संचालित समाधान देने में भारत की सफलता के बारे में बताया। केंद्रीय मंत्री ने भारत की डिजिटल क्षमताओं और देश में डेटा विज्ञान पेशेवरों की महत्वपूर्ण मांग की भी चर्चा की। सत्र को संबोधित करते हुए केंद्रीय महिला व बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा, "भारत एक जीवंत लोकतंत्र है जो डिजिटल रूप से काम कर सकता है। इसने प्रौद्योगिकी के माध्यम से एक अरब से ज्यादा आबादी तक लाभ पहुंचाया है। वे सभी जो भारत में निवेश करने के इच्छुक हैं उन्हें जान लेना चाहिए कि अकेले 2024 में भारत में 10 लाख डेटा विज्ञान पेशेवरों की मांग है। स्मृति ने कहा, "महामारी से आने वाली चुनौतियों के बावजूद भारत ने काफी नीतिगत सुधार किए और अपनी आबादी को बचाने के लिए डिजिटल रूप से प्रदर्शन किया। भारत ने वैश्विक स्तर पर जुड़ने के अवसरों को नहीं खोया और महामारी के दौरान भी व्यापार के लिए कभी बंद नहीं हुआ।" सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल बुनियादी ढांचा भारत नवाचार की ओर अग्रसर है।

उड़ानों में देरी पर शशि थरूर-ज्योतिरादित्य सिंधिया में जुबानी जंग; कांग्रेस नेता पर मंत्री का पलटवार

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और कांग्रेस सांसद शशि थरूर के बीच कोहरे के कारण उड़ान में देरी और दिल्ली हवाईअड्डे पर अव्यवस्था को लेकर विवाद हो गया। कांग्रेस नेता ने इसे मोदी सरकार द्वारा निर्मित आपदा बताकर केंद्र पर निशाना साधा। इसके बाद नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उनपर पलटवार करते हुए कहा कि थरूर थिसॉरस (शब्द भंडार) की अपनी गूढ़ दुनिया में खोए हुए हैं। उनके इंटरनेट से चुनिंदा प्रेस लेखों का डेटा संकलन शोध के रूप में उपयोगी है। उन्होंने एक के बाद एक छह एक्स पोस्ट कर केंद्र की मोदी सरकार पर तंज कसा। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली हवाई अड्डे पर अराजकता नागरिक उड्डयन मंत्रालय की उपेक्षा और अक्षमता का परिणाम है। विश्व के अन्य अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों जैसी आधुनिक सुविधाएं यहां स्थापित करने में नागरिक उड्डयन मंत्रालय विफल रही है। थरूर ने आरोप लगाया कि भारत का विमानन क्षेत्र खस्ता हालत में है। नागरिक मंत्रालय यह सुनिश्चित करने में फेल साबित हुआ है कि दिल्ली और अन्य भारतीय शहरों में हवाई अड्डे ऐसे वैश्विक मानक के हों कि शून्य दृश्यता में भी विमान वहां उतर सकें।

रामलला के दर्शन करने जाएंगे अरविंद केजरीवाल प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण पर सीएम ने दिया जवाब

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भगवान रामलला के दर्शन करने जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बुधवार को कहा कि मैं अपने परिवार के साथ अयोध्या भगवान राम के दर्शन करने जाऊंगा। साथ ही उन्होंने कहा कि हम 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद दिल्ली से अयोध्या के लिए और अधिक ट्रेनें चलाने का प्रयास करेंगे। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ 22 जनवरी के बाद अयोध्या में भगवान रामलाल के दर्शन करने जाएंगे। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में निमंत्रण के सवाल पर केजरीवाल ने कहा कि उनका कोई लेटर आया था। उसके बाद हमने उनको फोन किया, तो उन्होंने बताया कि कोई फाइनल निमंत्रण देने के लिए उनकी टीम आएगी। अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा, "वह तो आए नहीं, लेकिन कोई बात नहीं। लेटर में उन्होंने लिखा कि बहुत ज्यादा वीआईपी आएंगे और इसीलिए सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए एक ही व्यक्ति अलाउड है।" दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं अपने माता-पिता, धर्म पत्नी और बच्चों के साथ 22 जनवरी (प्राण प्रतिष्ठा समारोह) के बाद दर्शन करने जाऊंगा। बता दें कि भगवान रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियों और देशभर में राममय माहौल के बीच आम आदमी पार्टी ने महीने के दूसरे मंगलवार को सुंदरकांड पाठ का आयोजन कराएगी। इसी को लेकर मंगलवार यानी 16 जनवरी को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली के रोहिणी के हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ में शामिल हुए। इस दौरान उनके साथ उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल भी मौजूद रहीं।

समूचा राष्ट्र, राममय और राम, राष्ट्रमय दिख रहा : प्रान्त प्रचारक

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सुलतानपुर नगर में निकली विशाल एवं भव्य शोभा यात्रा

प्रखर सुलतानपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ काशी प्रांत के प्रांत प्रचारक रमेश जी ने सुलतानपुर में विशाल एवं भव्य शोभायात्रा के शुभारम्भ पर कहाकि आज का यह ऐतिहासिक क्षण लाखों लोगों के बलिदान के उपरांत मिला है। हम सभी सौभाग्यशाली है जो इस क्षण के साक्षी बने हैं। भगवान श्रीराम के मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा से समस्त हिंदू समाज मे अपार उत्साह और प्रसन्नता है। मन्दिर निर्माण के लिए तमाम आहुतियां आज सफल हुई है। नगर के तिकोनिया पार्क में आयोजित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए अपने सारगर्भित एवम संक्षिप्त उद्बोधन में श्री रमेश जी ने कहाकि भगवान श्रीराम के प्रति सभी में समर्पण की आस्था आज दृष्टिगत हो रही है। अब तो ऐसा लग रहा है कि समूचा राष्ट्र, राममय और राम, राष्ट्रमय दिख रहा है चूँकि भारत की आत्मा हैं श्री राम। राम रग-रग में और राम कण-कण में विद्यमान हैं राम रोम-रोम में, आज चहूँओर राम की अयोध्या की सर्वाधिक चर्चा है राम का सम्पूर्ण जीवन मानवता के लिए उपेक्षित कष्ट में दुःख में रहने वालों के लिए ही समर्पित रहा इसलिये आज सम्पूर्ण सनातन समाज श्री राम के साथ खड़ा है और भावना प्रगट करने हेतु इस विशाल शोभा यात्रा का कड़ी बना है। संघ परिवार की प्रेरणा से स्वतः स्फूर्त हिंदू समाज 22 जनवरी 2024 को श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व सुलतानपुर नगर में विशाल और भव्य शोभायात्रा में सम्मिलित हुआ है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आह्वान पर जिले के विचार परिवार ने एक विशाल और भव्य शोभायात्रा निकाली। जो करीब दो किलोमीटर की दूरी को आच्छादित कर रहा था। इससे ऐसा प्रतीत हो रहा था कि स्वतः स्फूर्त समग्र हिंदू समाज सड़क पर आ गया है। क्या बच्चे, क्या बुजुर्ग ठंड की परवाह किसी को नहीं थी, 20 हजार से भी ज्यादा लोगो की सहभागिता ने नगर को झकझोर राममय कर दिया। करीब 500 वर्षों के संघर्ष के उपरांत और साढ़े तीन लाख लोगों के बलिदान के उपरांत होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के पूर्व होने वाली इस शोभायात्रा में मातृशक्ति सबसे आगे थी। गायत्री परिवार से जुड़ी हुई मातृ शक्ति एवं पुरुष मशाल के साथ शोभायात्रा की शोभा बढ़ा रहे थे। विभिन्न विद्यालयों की छात्राएं एवं छात्र अपने अभिभावकों के साथ शोभायात्रा में सम्मिलित थे। गोमती मित्र मंडल परिवार , पतंजलि परिवार भी शोभायात्रा सम्मिलित रहे। इसी तरह हिंदू समाज के विभिन्न वर्गों के लोग अपनी उपस्थिति से शोभायात्रा की शोभा बढ़ा रहे थे। सुलतानपुर जिले के विभिन्न कोनो से आए हुए साधु संत यात्रा में उपस्थित थे। शहर के जो लोग यात्रा में सम्मिलित नहीं हो सके, वह अपने छतों से श्रद्धा स्वरूप पुष्प वर्षा कर अपनी स्वागत के साथ उपस्थिति दर्ज कर रहे थे। यात्रा का मुख्य आकर्षण यात्रा में सम्मिलित देवी देवताओं की झांकियां और बच्चों द्वारा बजाये जा रहे घोष थे। यात्रा का आरंभ भगवान श्रीराम के चित्र पर प्रान्त प्रचारक रमेश जी व विभाग संघचालक डॉ अरुण कुमार सिंह के दीप प्रज्वलन और पुष्पार्चन से हुआ। शोभायात्रा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक श्रीप्रकाश जी, जिला प्रचारक आशीष जी, जिला कार्यवाह भानु प्रताप सिंह सहित तमाम जिम्मेदार संघ के पदाधिकारी यात्रा के हर आयाम पर अपनी दृष्टि बनाए हुए थे। सह जिला संघ चालक अजय कुमार गुप्ता, नगर कार्यवाह अजय सिंह, विभाग संपर्क प्रमुख डॉ पवनेश मिश्र, अर्चित बरनवाल, डॉ विनोद सिंह, राकेशमणि त्रिपाठी, रुद्र प्रताप सिंह मदन, विश्व हिन्दू महासंघ के ज़िला अध्यक्ष डॉ. कुंवर दिनकर प्रताप सिंह सहित जिले के संघ परिवार के सभी संगठनों भाजपा, विहिप, विद्या भारती, विद्यार्थी परिषद, किसान संघ, मजदूर संघ, भारत विकास परिषद, अधिवक्ता परिषद के कार्यकर्ता पूरे उत्साह के साथ शामिल रहे। जन प्रतिनिधियों में नगर विधायक विनोद सिंह, सदर विधायक राजबाबू उपाध्याय, लंभुआ विधायक सीताराम वर्मा नगरपालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल की यात्रा में भागीदारी रही।

संपादकीय

कोहरा-कहर और सितम

इन दिनों उत्तर भारत समेत देश के तमाम भागों में शीतलहर और कोहरे का प्रकोप व्याप्त है। जगह-जगह से खबरें आ रही हैं कि मैदानी इलाकों में कहीं तापमान जमाव बिंदु तो कहीं माइनस तक जा पहुंचा है। ऋतुचक्र में बदलाव कुदरत का नियम है। गर्मी के बाद बरसात और फिर ठंड, जीवन सृष्टि का नियम है। लेकिन जब ये स्थितियां चरम की ओर बढ़ती हैं तो लोगों को खासी मुश्किल होती है। खासकर समाज में निर्धन व बेघर लोगों के लिये तो यह कष्टकारी समय है। लेकिन सबसे बड़ी समस्या कोहरे के कारण यातायात में आने वाली बाधा है। देश में तमाम हवाई उड़ानें व रेलों के आवागमन में व्यवधान आम बात होती है। सैकड़ों ट्रेन घंटों देरी से चल रही हैं। निश्चित रूप से यात्रियों के लिये ठंड में घंटों की प्रतीक्षा कष्टकारी होती है। कमोबेश, हवाई यात्रियों के साथ भी ऐसी दिक्कतें इस मौसम में आती हैं। विडंबना यह है कि जिस देश के पास चंद्रमा, मंगल व अंतरिक्ष तक पहुंचने की कूवत है, वहां हम कोहरे के दौरान सुरक्षित यातायात सुनिश्चित नहीं कर पाते? हर बार कोहरे के दौरान हवाई जहाजों व ट्रेनों के सुचारु संचालन के लिये उन्नत तकनीक के प्रयोग की बात होती है। मौसम सामान्य होते ही बात आई-गई हो जाती है। बहरहाल, सोमवार को दिल्ली में उड़ान में देरी से क्षुब्ध एक यात्री द्वारा पायलट के साथ अभद्र व्यवहार की घटना दुर्भाग्यपूर्ण ही कही जाएगी। निश्चित रूप से विलंब परेशान करता है लेकिन हवाई उड़ानों का मामला बेहद संवेदनशील व जोखिमभरा होता है। कोहरे के कारण दृश्यता कम होने पर परिचालन में जरा-सी चूक से सैकड़ों जानों को खतरा पैदा हो जाता है। ऐसे में यदि उड़ान में विलंब होता है तो यह यात्रियों की सुरक्षा के लिये ही होता है। निश्चित रूप से अभद्रता करने वाले यात्री को इस घटना के बाद दंडित किया जाएगा। लेकिन असुविधा के बावजूद संयम खोने की इजाजत किसी को नहीं दी जा सकती। निश्चित रूप से मौसम की प्रतिकूलता के दौरान जीवन व यातायात सामान्य रह सके, इसके लिये युद्धस्तर पर ठोस कदम उठाने की जरूरत है। शासन-प्रशासन को ह्यआग लगने पर कुआं खोदनेह्न वाली सोच से बचना चाहिए। इसके बावजूद दिल्ली हवाई अड्डे पर गोवा जाने वाली फ्लाइट में तेरह घंटे के विलंब से बौखलाए यात्री द्वारा चालक दल से अभद्रता स्वीकार्य नहीं है। बताया जा रहा है कि यात्री का कहना था कि यदि उड़ान में ज्यादा विलंब हो रहा है तो उसे उतरने की अनुमति दी जाए क्योंकि वह लंबे समय तक बैठा नहीं रह सकता। समाधान का एक पहलू यह भी है कि विमानन सेवा से जुड़े प्रबंधन द्वारा ऐसी विकट स्थितियों की पूर्व सूचना लगातार यात्रियों को देने का तंत्र विकसित किया जाए। उन्हें मौसम के अपडेट से यात्रा पूर्व ही अवगत कराने के प्रयास होने चाहिए। साथ ही उड़ान में यदि ज्यादा देरी है तो उनको सहज बनाने के विकल्पों पर भी विचार किया जाना चाहिए। हालांकि, सुरक्षा कारणों से विमान से यात्रियों को उतरने की इजाजत नहीं होती, लेकिन यदि विलंब ज्यादा है तो सुविधाजनक विकल्प तलाशे जाने चाहिए। यात्री धैर्य न खोएं इसके लिये हवाई अड्डे पर राहतकारी व्यवस्था जरूर होनी चाहिए। वहीं यात्रियों को भी ध्यान रखना चाहिए कि किसी विमान चालक दल के सदस्य के साथ यदि असहज करने वाली स्थितियां उत्पन्न होती हैं तो इसका नकारात्मक असर चालक दल की परिचालन क्षमता और मनोदशा पर पड़ सकता है। एक चालक के हाथ में सैकड़ों यात्रियों का जीवन भी होता है। यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि विमानों की सुरक्षित उड़ान काफी हद तक मौसम की दशा-दिशा पर निर्भर करती है। इसमें जरा-सी चूक अथवा परिस्थितियों का समुचित आकलन न कर पाना बड़ा खतरा पैदा कर सकता है। निश्चित रूप से चालक दल का पहला कर्तव्य होता है कि विमान को सुरक्षित ढंग से गंतव्य स्थल तक पहुंचाया जाए। जिसके लिये वह अपने विवेक से विमान परिचालन करता है। ऐसे में किसी भी तरह की अभद्रता उसकी एकाग्रता को बाधित कर सकती है।

असुविधा न हो

ठंड के इस मौसम में कोहरे ने जिस तरह से पूरे उत्तर भारत को घेर रखा है, उसका असर हवाई सेवाओं पर भी पड़ रहा है। कोहरे की वजह से फ्लाइट में कुछ घंटों तक की देरी की खबरें आ रही हैं। इससे यात्रियों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। दिल्ली एयरपोर्ट पर तो एक यात्री द्वारा पायलट से दुर्व्यवहार की अप्रिय घटना भी हुई। पायलट से दुर्व्यवहार की घटना की ठीक ही चौतरफा निंदा हुई। ऐसे व्यवहार को किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। लेकिन इस निंदनीय घटना की वजह से उन तकलीफों और परेशानियों को अनदेखा नहीं किया जा सकता जिनसे यात्रियों को गुजरना पड़ रहा है। यह सही है कि घने कोहरे के चलते पर्याप्त विजिबिलिटी न होना किसी एयरलाइन कंपनी के हाथ में नहीं होता। लेकिन इन हालात में भी थोड़ी बेहतर सेवा यात्रियों की तकलीफ में काफी कमी ला सकती है। यह भी जरूरी है कि एयरपोर्ट पर और बेहतर तकनीक का इस्तेमाल हो ताकि हवाई सेवा कोहरे की वजह से बाधित न हो। जब भी किसी वजह से सेवा बाधित होती है तो यात्रियों को जितनी परेशानी देरी से नहीं होती, उतनी सही सूचना समय पर नहीं मिलने से होती है। यह आम धारणा है कि एयरलाइंस कर्मचारी यात्रियों को पूरी जानकारी नहीं देते। रिफंड की सहज और आसान प्रक्रिया न होना मामले को बदतर बना देता है। मूल समस्या भले कुदरती हो, प्रबंधन से जुड़े मुद्दों के चलते भी अक्सर हालात और बिगड़ जाते हैं। मसलन, कई बार ऐसा होता है कि खराब मौसम की वजह से पायलट एयरपोर्ट पर ही फंस जाते हैं और मौसम ठीक होने तक उनके ड्यूटी के घंटे पूरे हो जाते हैं। जाहिर है, मौसम ठीक होने के बावजूद नए क्रू के आने तक फ्लाइट फंसी रहती है। इन्हीं विवादों में पायलटों का रेस्ट टाइम बढ़ाने का मुद्दा भी जुड़ गया है। कहा जा रहा है कि एविएशन रेगुलेटर DGCA के इस हालिया आदेश के लागू होने से समस्या और बढ़ सकती है। लेकिन पायलटों को पर्याप्त आराम मिलना जरूरी है। फ्लाइट की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता। इस मसले का यही हल है कि कंपनियां अपने पायलटों की संख्या बढ़ाएं। ध्यान रहे, देश में एविएशन सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल 15 करोड़ से ज्यादा घरेलू यात्रियों ने हवाई सेवा का इस्तेमाल किया, जबकि 2022 में यह संख्या 12 करोड़ ही थी। सेवा को पैसेंजर फ्रेंडली बनाए रखकर ही आगे इस सेक्टर की और अच्छी ग्रोथ सुनिश्चित की जा सकती है। इन विवादों का अच्छा पक्ष यह है कि DGCA तुरंत हरकत में आया और SOP (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) जारी कर दी। यात्रियों को सही और रियल टाइम जानकारी उपलब्ध कराने और तीन घंटे से ज्यादा देरी पर फ्लाइट कैंसल करने जैसे निर्देश उपयोगी हैं। मगर यह भी देखना होगा कि इन्हें सही ढंग से अमल में लाया जाए। इसके साथ ही यात्रियों के लिए संयम बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है।

एकला चलो की नीति पर आगे बढ़ रहीं मायावती बसपा को बड़ा नुकसान पहुँचा रही हैं

रमेश सर्राफ धमोरा

बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने पार्टी को युवा नेतृत्व देने के लिये अपने भतीजे आकाश आनंद को अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी बना दिया है। अब उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड को छोड़कर बाकी प्रदेशों में संगठन का काम आकाश आनंद ही संभालेंगे। ब्रिटेन से एमबीए कर चुके 28 वर्षीय आकाश आनंद मायावती के छोटे भाई आनंद कुमार के बेटे हैं। मायावती ने उन्हें 2019 में पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक बनाया था। तभी से उनके मायावती के उत्तराधिकारी बनने की चर्चा चलती रहती थी।

आकाश आनंद ने पिछले दिनों सम्पन्न हुये राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मिजोरम और तेलंगाना विधानसभा चुनाव में पार्टी की कमान संभाली थी। मगर वहां बसपा के पक्ष में कोई विशेष हवा नहीं बना पाए। कभी देश में प्रमुख राजनीतिक दल रही बसपा अब अपनी राष्ट्रीय मान्यता बचाने का प्रयास कर रही है। उत्तर प्रदेश में चंद्रशेखर रावण भी दलित नेता के तौर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। इसी के चलते मायावती ने बसपा में युवा नेतृत्व देने के लिए अपने भतीजे को मैदान में उतारा है। कांशीराम ने जब 14 अप्रैल 1984 को बहुजन समाज पार्टी का गठन किया था। तब उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि आगे चलकर बसपा परिवारवाद की भेंट चढ़ जाएगी। परिवारवाद से बचने के लिए कांशीराम ने शादी नहीं की थी। मायावती की प्रतिभा देखकर कांशीराम ने उन्हें राजनीति में आगे बढ़ाया और अपना उत्तराधिकारी बनाया था। कांशीराम के कारण मायावती चार बार उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री बन पाईं। कांशीराम चाहते तो स्वयं मुख्यमंत्री बन सकते थे। मगर वह किंग मेकर की भूमिका में ही रहना चाहते थे। इसलिए उन्होंने मायावती को आगे बढ़ाया। आज उन्हीं मायावती ने अपने भतीजे को पार्टी का उत्तराधिकारी घोषित कर बसपा को परिवारवाद के रास्ते पर धकेल दिया है। वर्तमान समय में बसपा राजनीतिक रूप से कमजोर पड़ गई है। उनके परंपरागत दलित मतदाता भी छिटक रहे हैं। वैसे भी विषम परिस्थितियों का मुकाबला करने के लिए मायावती को किसी युवा नेता की तलाश थी। मगर उन्होंने किसी बाहरी व्यक्ति पर भरोसा करने की बजाय अपने भतीजे को ही अपना उत्तराधिकारी बनाना बेहतर समझा।

हाल ही में संपन्न हुए राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना व मिजोरम विधानसभा के चुनाव में बसपा का ग्राफ गिरा है। राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ जैसे हिंदी पट्टी वाले प्रदेशों में बहुजन समाज पार्टी एक तीसरे विकल्प के रूप में अपनी ताकत का एहसास कराती आई थी। मगर इस बार के विधानसभा चुनाव में बसपा का सूपड़ा साफ हो गया है। पिछले विधानसभा चुनाव में राजस्थान में बसपा को 4 प्रतिशत वोट व 6 सीटों पर जीत मिली थी। मगर इस बार यहां बसपा 1.82 प्रतिशत वोटों के साथ मात्र दो सीटों पर ही सिमट गई है। राजस्थान विधानसभा चुनाव में बसपा को मात्र 721037 वोट मिले हैं। मध्य प्रदेश में पिछली बार बसपा को दो सीट व 5.01 प्रतिशत वोट मिले थे। जबकि इस बार के चुनाव में वहां बसपा को 3.40 प्रतिशत यानी 14,77,202 वोट तो मिल गए मगर सीट एक भी नहीं मिली।

इसी तरह छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में पिछली बार बसपा को दो सीटों के साथ 552313 यानी 3.9 प्रतिशत वोट मिले थे। मगर इस चुनाव में वहां बसपा को सीट तो एक भी नहीं मिली। बसपा को 319903 यानी 2.05 प्रतिशत वोट ही मिले हैं। तेलंगाना में बसपा का खाता भी नहीं खुला। वहां पार्टी को 321074 यानी 1.37 प्रतिशत वोट मिले हैं। मिजोरम में तो वैसे ही बसपा का कोई नाम लेवा नहीं है। 2022 में हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में बसपा 53 सीटों पर चुनाव लड़ी मगर एक भी नहीं जीत पायी। वहां पार्टी को 14613 यानी 0.35 प्रतिशत मत मिले थे। गुजरात विधानसभा के पिछले चुनाव में बसपा ने 101 सीटों पर चुनाव लड़ा था। जिसमें 100 सीटों पर पार्टी प्रत्याशियों के जमानत जब्त हो गई थी। वहां पार्टी को मात्र 158123 यानी 0.5 प्रतिशत मत मिले थे। उतराखंड में बसपा के दो व पंजाब में एक विधायक है।

उत्तर प्रदेश में 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी महज एक सीट ही जीत सकी थी। वहां बसपा को सिर्फ 12.88 प्रतिशत मत मिले थे। वहीं 2017 के विधानसभा चुनाव में 19 सीट व 22.31 प्रतिशत वोट मिले थे। 2012 की विधानसभा चुनाव में बसपा को उत्तर प्रदेश में 80 सीटों के साथ 25.91 प्रतिशत वोट मिले थे। वहीं 2007 के विधानसभा चुनाव में बसपा ने 30.43 प्रतिशत वोटो के साथ 206 सीट जीतकर अपने दम पर सरकार बनाई थी। 2002 के चुनाव में बसपा को 98 सीट व 23.6 प्रतिशत वोट मिले थे। 1996 के चुनाव में 67 सीट व 19.64 प्रतिशत वोट मिले थे। 1993 के चुनाव में 67 सीट व 11.12 प्रतिशत वोट, 1991 के चुनाव में 12 सीट व 9.44 प्रतिशत वोट मिले थे। 1989 के चुनाव में पहली बार बसपा ने उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़कर 13 सीट तथा 9.41 प्रतिशत वोट पाए थे। उपरोक्त आंकड़ों का विश्लेषण करें तो पता चलता है कि बहुजन समाज पार्टी का जनाधार लगातार कमजोर पड़ता जा रहा है। लोकसभा चुनाव के आंकड़ों को देखें तो 2019 के चुनाव में बसपा को उत्तर प्रदेश में 10 सीटें व 3.67 प्रतिशत वोट मिले थे। 2014 के लोकसभा चुनाव में बसपा का खाता भी नहीं खुला था। हालांकि पार्टी को 4.19 प्रतिशत वोट मिले थे। 2009 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश में 20 व मध्य प्रदेश में एक कुल 21 सीट व 6.56 प्रतिशत वोट पाए थे। 2004 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश से 19 सीट जीतकर 5.33 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। 1999 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश से 14 सीट जीती थी तथा 4.16 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। 1998 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने पांच सीट तथा 4.67 प्रतिशत वोट पाए थे। 1996 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने 11 सीट तथा 4.02 प्रतिशत मत प्राप्त किए थे। 1991 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने तीन सीट व 1.61 प्रतिशत मत प्राप्त किए थे। 1989 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ा था और पार्टी ने चार सीटें जीत कर 2.07 प्रतिशत वोट पाये थे। पिछले लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी से समझौता होने के चलते 10 सीटों पर जीत जरूर हासिल कर ली थी। मगर उसके बाद मायावती ने सपा से चुनावी गठबंधन समाप्त कर एकला चलो की नीति पर ही 2022 में उत्तर प्रदेश विधानसभा का चुनाव लड़ा था। 2022 में उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में जहां से बसपा एक ताकत बनकर उभरी थी और चार बार सरकार बना चुकी है। वहां मात्र एक सीट पर सिमट गयी थी।

भारत में आय की असमानता का कम होना सरकार की एक बड़ी उपलब्धि है

प्रह्लाद सबनानी

भारत के बारे में अक्सर यह कहा जाता है कि विशेष रूप से कोरोना महामारी के बाद से भारत के आर्थिक क्षेत्र में K आकार का विकास हो रहा है। आर्थिक दृष्टि से K आकार के विकास से आशय यह है कि देश की अर्थव्यवस्था में गरीब अधिक गरीब हो रहा है और अमीर और अधिक अमीर हो रहा है। हालांकि हाल ही के समय में भारत में आय, बचत, उपभोग एवं खर्च आदि के सम्बंध में इस प्रकार की नीतियां बनाई जाती रही हैं कि देश के गरीब वर्ग को अधिकतम लाभ मिले। इसके लिए कई विशेष योजनाएं, जैसे, गरीब अन्न कल्याण योजना, उज्ज्वला योजना, आयुषमान भारत योजना, आवास योजना एवं प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना आदि चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं के अंतर्गत सब्सिडी आदि की राशि लाभार्थियों के खातों में सीधे ही हस्तांतरित कर दी जाती है। इससे गरीब वर्ग के लाभार्थियों को सहायता की राशि 100 प्रतिशत तक मिल जाती है और इसमें भ्रष्टाचार की सम्भावना लगभग शून्य हो जाती है।

भारतीय स्टेट बैंक के आर्थिक अनुसंधान विभाग द्वारा भारत के आयकर विभाग द्वारा जारी किए गए आयकर विवरणियों सम्बंधी आंकड़ों का गहराई से विश्लेषण करते हुए यह बताया है कि भारत में नागरिकों के बीच आय की असमानता कम हो रही है। देश में वित्तीय वर्ष 2014 में व्यक्तिगत आयकर रिटर्न फाइल करने वाली कुल संख्या में 36.3 प्रतिशत संख्या निम्न आय वर्ग की श्रेणी के नागरिकों की थी और यह वर्ग अब वित्तीय वर्ष 2021 में मध्यम आय वर्ग की श्रेणी में आ गया है तथा इस बीच इस वर्ग की आय 21.1 प्रतिशत बढ़ी है। इस कारण के चलते 3.5 लाख रुपए वार्षिक आय वाले नागरिकों की संख्या वित्तीय वर्ष 2014 में 31.8 प्रतिशत से घटकर वित्तीय वर्ष 2021 में 15.8 प्रतिशत रह गई है। इसी प्रकार, सबसे अधिक आयकर अदा करने वाले 2.5 प्रतिशत नागरिकों का कुल आय में योगदान 2.81 प्रतिशत से घटाकर 2.28 प्रतिशत हो गया है। अतः देश में मध्यम आय वर्ग के नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। आय कर दाखिल करने वाले नागरिकों की प्रति व्यक्ति औसत आय वित्तीय वर्ष 2014 में 3.1 लाख रुपए से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2021 में 11.6 लाख रुपए हो गई है और वित्तीय वर्ष 2022 में यह 12.5 से 13 लाख रुपए के बीच रहने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

भारत के आर्थिक विकास में भारतीय महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ रही है। कुल श्रमिक तंत्र में महिलाओं की संख्या 2017-18 में 23.3 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 37 प्रतिशत हो गई है। महिलाएं आज कृषि के क्षेत्र में भी अपना योगदान लगातार बढ़ाती जा रही हैं। आयकर विवरणियां फाइल करने में भी महिलाओं की संख्या अब 15 प्रतिशत हो गई है।

भारत में लगातार तेज गति से हो रही आर्थिक प्रगति के चलते आज भारत में दोपहिया वाहनों की तुलना में चार पहिया वाहनों के बिक्री में अधिक वृद्धि दर हासिल हो रही है। वित्तीय वर्ष 2019 में 2.12 करोड़ दोपहिया वाहनो बिक्री हुई थी, जबकि उस वर्ष कृषि क्षेत्र में सकल घरेलू उत्पाद में केवल 2.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी और मानसून में भी लगभग 14 प्रतिशत की कमी रही थी। वर्तमान वित्तीय वर्ष में दोपहिया वाहनों की बिक्री 1.8 करोड़ की रही है। इसके पीछे मुख्य कारण यह बताया जा रहा है कि एक तो मध्यम वर्ग अपने लिए मकानों की खरीद अधिक मात्रा में कर रहा है और दूसरे मध्यम वर्ग आज दोपहिया वाहनों के स्थान पर चार पहिया वाहन खरीदने की ओर आकर्षित हुआ है। इसी प्रकार, आज अर्द्धशहरी क्षेत्रों में लगभग 2 करोड़ परिवार खाद्य पदार्थों को खरीदने हेतु जोमटो ऐप का उपयोग कर रहे हैं। अतः आज भारत के मध्यम वर्ग का टेस्ट बदल रहा है।

भारतीय अर्थव्यवस्था में नागरिकों का उक्त व्यवहार यदि आगे आने वाले समय में भी जारी रहता है तो एक अनुमान के अनुसार, अगले दशक की समाप्ति पर 50 प्रतिशत उत्पादों का उपभोग (लगभग 16 लाख करोड़ रुपए) गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों में से 90 प्रतिशत नागरिको द्वारा किया जाने लगेगा। आज गरीब वर्ग को केंद्र सरकार द्वारा बहुत बड़े स्तर पर मुफ्त अनाज, मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं एवं मकान आदि उपलब्ध कराए जा रहे हैं (अभी तक 4 करोड़ परिवारों को रहने के लिए मकान उपलब्ध कराए जा चुके हैं), जिसके कारण इस वर्ग की 8.2 लाख करोड़ रुपए के अतिरिक्त उपभोग कर सकने की क्षमता बढ़ी है।

वित्तीय वर्ष 2013-14 से वित्तीय वर्ष 2021-22 के बीच 5 लाख से 10 लाख रुपए की आय वाले वर्ग में आय कर विवरणियां फाइल करने वाले नागरिकों की संख्या 295 प्रतिशत से बढ़ी है। इसी प्रकार, 10 लाख रुपए से 15 लाख रुपए की आय वाले वर्ग में आय कर विवरणियां फाइल करने वाले नागरिकों की संख्या 291 प्रतिशत से बढ़ी है। वित्तीय वर्ष 2022 में 7 करोड़ नागरिकों द्वारा आय कर विवरणियां फाइल की गई थी, यह संख्या वित्तीय वर्ष 2023 में बढ़कर 7.4 करोड़ हो गई और अब वित्तीय वर्ष 2024 में 8.5 करोड़ हो जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। यह संख्या देश में औपचारिक क्षेत्र में कुल श्रमिकों की संख्या का 37 प्रतिशत है। पारम्परिक रूप से महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली एवं कर्नाटक राज्यों से आयकर विवरणियां फाइल करने वाले नागरिकों की संख्या अधिक रहा करती थी परंतु अब कुछ नए राज्य तेजी से इन राज्यों को पीछे छोड़ने के प्रयास में आगे बढ़ रहे हैं। इनमे प्रथम स्थान पर उत्तर प्रदेश राज्य है। इसके बाद आंध्र प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, मध्य प्रदेश एवं हरियाणा राज्य आते हैं। अब इन राज्यों से भी आय कर विवरणियां फाइल करने वाले नागरिकों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है।

व्यक्तिगत आय कर अदा करने वाले नागरिकों के अतिरिक्त सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम श्रेणी की इकाईयों में भी लगभग इसी प्रकार के परिवर्तन दिखाई दिए हैं। वित्तीय वर्ष 2014 से वित्तीय वर्ष 2021 के बीच सूक्ष्म आकार की 19.5 प्रतिशत इकाईयों की आय बहुत तेज गति से बढ़ी है और अब सूक्ष्म आकार की ये इकाईयां छोटी, मध्यम एवं बड़ी श्रेणी की इकाईयों में परिवर्तित हो गई हैं। इन सूक्ष्म इकाईयों में से 4.8 प्रतिशत इकाईयां छोटी श्रेणी की इकाईयों में, 6.1 प्रतिशत इकाईयां मध्यम श्रेणी की इकाईयों में एवं 9.3 प्रतिशत इकाईयां बड़ी श्रेणी की इकाईयों में परिवर्तित हो गई हैं। विशेष रूप से भारत में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के लागू होने के बाद से सूक्ष्म आकार की इकाईयां, छोटे आकार, मध्यम आकार एवं बड़े आकार की इकाईयों में परिवर्तित होती जा रही हैं। हाल ही के समय में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम श्रेणी की इकाईयों को बैंकों द्वारा प्रदान किए गए ऋण की राशि में भी अभूतपूर्व वृद्धि देखने में आई है।

सोमनाथ से अयोध्या तक... तुष्टिकरण की राजनीति पर कायम है कांग्रेस

डॉ. आशीष वशिष्ठ

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी शामिल नहीं होंगी। कांग्रेस भले ही राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर को भाजपा और आरएसएस को इवेंट बताती रहे। लेकिन कांग्रेस ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से दूरी बनाकर वही गलती की है, जो गलती कभी पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने की थी। उस वक्त पंडित नेहरू सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन में नहीं गए थे। असल में मुस्लिम तुष्टिकरण उसके एजेंडे में प्रथम स्थान पर है। उसके एजेंडे में न सोमनाथ था और न ही अयोध्या है।

इतिहास के पन्ने पलटे तो स्वतंत्र भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री सरदार पटेल ने मुहम्म्द गजनवी द्वारा तोड़े गए भगवान सोमनाथ के मंदिर का पुनः निर्माण कराया था। सोमनाथ मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण होने तक सरदार स्वर्गवासी हो गए तो कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ने स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा 11 मई 1951 को सोमनाथ मंदिर का उद्घाटन कराया। उस समय प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के विरोध के बावजूद डॉ. राजेंद्र प्रसाद सोमनाथ गए। वर्तमान में देश में राम नाम की प्रचंड लहर के चलते अब कांग्रेस नेता, समर्थक और मीडिया का एक वर्ग यह साबित करने में जुटा है कि राम मंदिर में कांग्रेस का भी योगदान है। जबकि जमीनी सच्चाई यह है कि, कांग्रेस ने राम के नाम पर घिनौनी राजनीति का प्रदर्शन किया है। एक ऐसी राजनीति जिसने राम मंदिर मुद्दे को उलझाने का काम किया। कांग्रेस ने हमेशा वोट बैंक की राजनीति करते हुए केवल तुष्टिकरण का ही सहारा लिया। राम मंदिर केस में कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया था कि अयोध्या मामले की जांच को कोर्ट 2019 के आम चुनाव तक टाल दे। 2008 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने इस मामले में हलफनामा दाखिल कर सेतु समुद्रम परियोजना के लिए राम सेतु को तोड़ कर तय वर्तमान मार्ग से ही लागू किये जाने पर जोर देते हुए कहा था कि भगवान राम के अस्तित्व में होने के बारे में कोई पुख्ता साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। ये भी कहा था कि रामायण महज कल्पित कथा है। हिंदू विरोध की भावना कांग्रेस के डीएनए में है। आजादी के बाद प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार ने पहली लोकसभा में 1955-56 में हिंदू कोड बिल्स पास किए। इस बिल को लेकर डॉ. राजेंद्र प्रसाद और पंडित जवाहर लाल नेहरू के बीच राजनीतिक मतभेद उत्पन्न हो गया था। इसकी एक बड़ी वजह दोनों का धर्म को लेकर रवैया था। वर्ष 1976 में इंदिरा ने देश में आपातकाल के दौरान प्रस्तावना में संशोधन किया, जिसमें सेक्युलर शब्द शामिल किया गया था। जिसका मतलब था कि भारत हिन्दू देश होते हुए भी हिन्दू देश नहीं कहा जा सकता। 1991 में लागू किया गया यह प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट कहता है कि 15 अगस्त 1947 से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता। यह कानून तब लाया गया जब राम मंदिर आंदोलन अपने चरम सीमा पर था। स्वतंत्रता के बाद से वंदे मातरम राष्ट्रगान है। इसे लेकर कहा जाता है कि जवाहरलाल नेहरू ने इसका विरोध किया था। उन्होंने इसे मुसलमानों के विरोध में बताया था। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कार्यकाल में तत्कालीन शिक्षा मंत्री मोहम्मद करीम छागला राज्यसभा में एक प्रस्ताव लाये थे जिसमें काशी हिंदू विश्वविद्यालय से हिंदू शब्द हटाने की बात कही गई थी, जबकि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से मुस्लिम शब्द हटाने की बात नहीं थी। इसके विरोध में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने बेनियाबाग मैदान में 1965 में सभा की थी। साल 1966 को गोहत्या रोकने के लिए कानून बनाने की मांग कर रहे निहत्थों संतों पर इंदिरा गांधी सरकार ने गोलियां चलवाई थी। वर्ष 1976 में इंदिरा ने देश में आपातकाल के दौरान प्रस्तावना में संशोधन किया, जिसमें सेक्युलर शब्द शामिल किया गया था। जिसका मतलब था कि भारत हिन्दू देश होते हुए भी हिन्दू देश नहीं कहा जा सकता। कांग्रेस सरकार द्वारा 1991 में प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट लागू किया गया। पूजा स्थल कानून कहता है कि पूजा स्थलों की जो स्थिति 15 अगस्त 1947 में थी वही रहेगी। इस कानून की परिधि से अयोध्या की राम जन्मभूमि को अलग रखा गया है। कानून कहता है अयोध्या राम जन्म भूमि मुकदमे के अलावा जो भी मुकदमे हैं वे समाप्त समझे जाएंगे। यह कानून अदालत के जरिये अपने धार्मिक स्थलों और तीर्थों को वापस पाने के अधिकार से वंचित करता है। कानून आक्रांताओं के गैर कानूनी कृत्यों को कानूनी मान्यता देता है। कानून हिंदू, बौद्ध, जैन और सिखों को अपने पूजा स्थलों और तीर्थों का वापस कब्जा पाने से वंचित करता है जबकि मुसलमानों को वक्फ कानून की धारा सात के तहत ऐसा अधिकार मिला हुआ है। वर्ष 1992 में अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, इस कानून ने अल्पसंख्यक लोगों को बढ़ावा दिया और हिंदुओं को बांट दिया। भारत के अधिकांश मंदिरों पर सरकारों का नियंत्रण है। लेकिन, इसी देश में वक्फ एक्ट के तहत वक्फ बोर्ड को इतनी असीमित ताकतें दी गई हैं कि वो तमिलनाडु के तिरुचेंथुरई में स्थित एक 1500 साल पुराने मंदिर समेत पूरे गांव पर ही दावा ठोक सकता है। वक्फ बोर्ड के पास भारतीय सेना और रेलवे के बाद सबसे बड़ी मात्रा में जमीन है। नवंबर 2004 में कांग्रेस के सत्ता में आने के कुछ महीनों के अंदर ही दिवाली के मौके पर कांची कोटि पीठ के शंकराचार्य जयेंद्र सरस्वती को हत्या के एक केस में गिरफ्तार करवाया गया। यूपीए सरकार के दौरान मालेगांव ब्लास्ट मामले में उत्तर प्रदेश के मौजूदा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत को फंसाने की साजिश रची गई थी। समझौता ब्लास्ट केस में पाकिस्तानी आतंकवादी पकड़ा गया था, उसने अपना गुनाह भी कबूल किया था, लेकिन महज 14 दिनों में उसे चुपचाप छोड़ दिया। इसके बाद इस केस में स्वामी असीमानंद को फंसाया गया। साल 2006 में मनमोहन सिंह ने कहा कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। 16 मई, 2016 को तीन तलाक पर सुप्रीम कोर्ट में चल रही थी। सुनवाई के दौरान कांग्रेस नेता और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के वकील कपिल सिब्बल ने तीन तलाक और हलाला जैसी घटिया परंपराओं की तुलना भगवान राम के अयोध्या में जन्म से कर डाली। 2016 में उत्तराखंड में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने हर शुक्रवार मुस्लिमों को 90 मिनट का अतिरिक्त अवकाश देने का निर्णय किया। कांग्रेस सरकार ने ही हज पर जाने वाले मुसलमानों को सब्सिडी देने की शुरूआत की थी।

आगामी लोकसभा चुनाव सकुशल संपादन के लिए वेनरेबिल्टी प्रशिक्षण के लिए हुई बैठक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आगामी लोक सभा सामान्य निर्वाचन 2024 को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु वल्नरेबिलिटी के प्रशिक्षण के सम्बन्ध में उप जिला निर्वाचन अधिकारी अरूण कुमार सिंह की अध्यक्षता मे डिस्ट्रिक्ट लेवर मास्टर टेनर के माध्यम से सेक्टर मजिस्ट्रेटो की बैठक जिला पंचायत सभागार मे सम्पन्न हुई। बैठक मे उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट को अपने पदीय दायित्व को बहुत गम्भीरता एवं सजगता से लेते हुए कार्य करने का निर्देश दिया तथा छोटी से छोटी बात को भी गम्भीरता से लेने को कहा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी पार्टी के लिए पक्ष या विपक्ष मे नही बोलना है ना ही कोई कमेन्ट करना है। सामने वाले को यह महसूस होना चाहिए कि आप निष्पक्ष कार्य कर रहे है। लॉ एवं आर्डर का पालन अवश्य करना है इसी हेतु आपको मजिस्ट्रेट का पावर दिया गया है। सभी अधिकारी पहले से ही अपने-अपने क्षेत्रों का भ्रमण कर लें जिससे वहां पहुचने मे आपको कोई कठिनाई ना हो।

बैठक के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटो को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के वी0एल0ओ0 के नाम व मोबाइल नं0 अवश्य रखे जिससे आवश्यकता पड़ने पर उसका सदुपयोग हो सके। पूरे निर्वाचन की प्रक्रिया मे सेक्टर मजिस्ट्रेट का महत्वपूर्ण कार्य होता है।

निर्वाचन प्रकिया को सम्पादित करने हेतु निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न हो इस हेतु आप का पद सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। कोई ऐसी भाषा का प्रयोग नही करेगे जिससे आपकी निष्पक्षता उजागर हो। भारत निर्वाचन आयोग के सभी आदेशो का शत प्रतिशत पालन करते हुए कार्य करें। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटो को पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारियों के कार्य के विषय मे जानकारी होनी चाहिए इसके लिए निर्वाचन आयोग द्वारा जारी बुकलेट का अध्ययन अवश्यक कर लिया जाय। तथा ई0वी0एम0 मशीनों के आपरेशन के विषय मे जानकारी रखनी होगी। बैठक मे डिप्टी कलेक्टर, अर्थ एवं संख्याधिकारी, सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा अध्यक्ष सुनील सिंह ने पवहारी बाबा आश्रम पर झाड़ू पोछा लगाकर दिया स्वच्छता का संदेश

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आह्वान पर 14 जनवरी से चलाए जा रहे व्यापक स्वच्छता अभियान में भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह ने आज कुर्था स्थित पवहारी बाबा आश्रम पर राम, लक्ष्मण, जानकी की प्रतिमा कि साफ, सफाई तथा परिसर में झाड़ू व पोंछा लगाकर स्वच्छता का जन संदेश दिया। इस अवसर पर पवहारी बाबा आश्रम के पुजारी अमरनाथ तिवारी, दीपक सिंह, जितेंद्र सिंह, राम शरण सिंह, सभासद प्रतिनिधि दिग्विजय पासवान, पंकज विश्वकर्मा, गंगा सागर , रणजीत प्रजापति, मनोज गुप्ता, विकास तिवारी, नीतीश दुबे, निखिल राय आदि सहयोग मे लगे रहे। भाजपा कार्यकताओं द्वारा गाजीपुर सदर ब्लाक के फतेहपुर सिकन्दर ग्राम स्थित गायत्री माता मंदिर, राम जानकी मंदिर और गौसाबाद स्थित शिव जी के मंदिर पर पोछा और झाड़ू लगाकर साफ सफाई किया गया। स्वच्छता अभियान में जिला मंत्री सुरेश बिन्द, जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा, गोपाल राय, मुरली कुशवाहा, संजय राय,अनिल बिंद, सुरेश राय, अभय प्रताप आदि लोग रहे।

सिल्क सिटी द्वारा माता आनंदमयी अस्पताल में गरीब मरीजों एवं अस्पताल के कर्मचारियों को कम्बल का वितरण

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। लायंस क्लब वाराणसी सिल्क सिटी ने बनारस में चल रहे भीषण ठंड एवं शीतलहरी को देखते हुए 16 जनवरी से ढेलवरिया मलिन बस्ती,पीलीकोठी एवं विभिन्न स्थानों पर कम्बल वितरण का कार्य कर रहे हैं उसी कड़ी मे 17 जनवरी बुधवार को शिवाला स्थित माता आनंदमयी अस्पताल में गरीब मरीजो एवं समस्त अस्पताल के कर्मचारियों को कम्बल वितरित किया गया इस मौके पर डॉ. ए.के. देव, डॉ. के.के. पांडेय उपस्थित थे` क्लब के अध्यक्ष ला.आलोक अग्रवाल ने बताया कि हर साल की भाँति इस साल भी कणाके की ठंड को देखते हुए सदस्यों के सहयोग से कम्बल

वितरण का कार्य किया जा रहा है। इस मौके पर ला.संजय, ला. गौरव, ला. वैभव, ला.रोहित ला. नवनीत, ला.राजीव,ला.राम बाबू ला. सौरभ ला.प्रशांत, ला. राकेश आदि लोग उपस्थित थे।

तहसीलदार के रवैया से नाराज गौड़ समाज के लोगों ने तहसील परिसर में किया धरना प्रदर्शन

प्रखर संतकबीरनगर। जहा एक तरफ पूरा उत्तर भारत कड़ाके के ठंड के तांडव को झेल रहा हैं वही संतकबीरनगर जिले के तहसील परिसर के माहौल को गौड़ समाज के लोगो ने धरना दे कर गरम कर दिया। पूरा मामला खलीलाबाद शहर स्थित सदर तहसील परिसर का हैं जहा सैकड़ों की संख्या में गौड़ समाज के लोगो ने जाति प्रमाण पत्र बनाने में तहसीलदार के कार्यों से नाराज गौड़ समाज के लोगों ने तहसीलदार मुदार्बाद के नारे लगाए तथा धरने पर बैठ गए। गौड़ समाज का आरोप है की सदर तहसील के तहसीलदार के द्वारा जाति प्रमाणपत्र जारी नही किया जा रहा हैं। जाति प्रमाण पत्र जारी करने में तहसीलदार अपनी मनमानी कर रहे हैं । जिससे गौड़ समाज को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा हैं । जिसकी वजह से हमारे समाज के लोगों के अंदर आक्रोश व्याप्त है इसी कारण से आज हम लोग धरने पर बैठे हैं और अपनी मांगे मनवा कर

रहेंगे। धरने को सूचना पर कोतवाली खलीलाबाद के कोतवाल ब्रजेश पटेल, क्षेत्राधिकार बृजेश सिंह मय फोर्स के साथ धरना स्थल पर पहुंचे। सदर एसडीएम धरना स्थल पर पहुंच कर धरना दे रहे गौड़ समाज के लोगो से वार्ता कर समस्या से रूबरू हुए।तथा सासन के आदेशानुसार जाति प्रमाणपत्र जारी करने की बात कह कर धरने को समाप्त कराया गया।

परीक्षा और मूल्याकन केंद्र का कुलपति ने किया निरीक्षण

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर की विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं का कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने बुधवार को औचक निरीक्षण किया। इस दौरान वह इंजीनियरिंग संस्थान, प्रबंध अध्ययन संकाय, विज्ञान संकाय और मानविकी संकाय के साथ बाला साहब देवरस मूल्यांकन भवन के मूल्यांकन केंद्र का निरीक्षण किया। कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि परीक्षा की

सुचिता में कोई कोताही न करें शिक्षक। साथ ही परीक्षा केंद्र की बिजली, पानी और वाशरूम की सफाई को भी देखा। उन्होंने कहा कि केंद्र निरीक्षक विद्यार्थियों की सुविधा का भी ध्यान दें , क्योंकि ठंड के कारण दूर-दूर से बच्चे आ रहे हैं उन्हें किसी भी प्रकार की कोई परेशानी न हो। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर मेडिकल किट की भी व्यवस्था करने को कहा ।इसी क्रम में कुलपति प्रोफेसर सिंह मूल्यांकन केंद्र भी पहुंची। निरीक्षण के दौरान मूल्यांकन समन्वयक प्रोफेसर रामजीत सिंह ने बताया कि मनोविज्ञान, प्राचीन इतिहास और वाणिज्य का मूल्यांकन संपन्न कराया जा चुका है। हिंदी, शिक्षा शास्त्र, अर्थशास्त्र, दर्शनशास्त्र, उर्दू, सैन्य विज्ञान, मध्य इतिहास का मूल्यांकन चल रहा है। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने परीक्षकों से मूल्यांकन व्यवस्था को लेकर वार्ता भी की। सभी परीक्षकों ने विश्वविद्यालय द्वारा मूल्यांकन व्यवस्था की सराहना की। निरीक्षण के दौरान सह समन्वयक डॉ. अनुराग मिश्र, सह समन्वयक डॉक्टर ममता सिंह, विषय विशेषज्ञ डॉ आलोक सिंह, डॉ. शशी सिंह, प्रोफेसर विनय कुमार दुबे, डॉ० मोहम्मद राशिद रब्बानी, डॉ० धर्मेश राज ,प्रो० रामकृष्ण सिंह मौजूद रहे।

ज्ञान बढ़ाने में करें स्मार्टफोन का उपयोग: कुलपति

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में बुधवार को स्मार्टफोन वितरण का कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर 353 विद्यार्थियों को स्मार्टफोन वितरण किया गया। स्मार्टफोन पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे। समारोह के मुख्य अतिथि करंजाकला ब्लाक प्रमुख के प्रतिनिधि सुनील यादव थे। मुख्य

स्मार्टफोन से कैरियर बनाएं विद्यार्थी: कुलसचिव

अतिथि सुनील यादव ने कहा कि सरकार की मंशा है कि विद्यार्थी नई तकनीक के साथ जुड़कर अपना बौद्धिक विकास करें। इसके माध्यम से डिजीटल इंडिया योजना में सहयोग कर आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार करें। अध्यक्षता करतीं हुई विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि कोराना काल ने हमें सिखा दिया कि डिजीटल प्लेटफार्म पढ़ाई के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकार की स्मार्टफोन योजना का विद्यार्थी अपना ज्ञान बढ़ाने में उपयोग करें। उन्होंने कहा कि अभ्यासा एप समेत कई ऐसे एप है जो कि हमें हर चीज में मदद कर सकते हैं। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि सरकार चाहती है कि वे विद्यार्थी जो स्मार्टफोन नहीं खरीद पा रहे हैं, ऐसे विद्यार्थी इस योजना के माध्यम से वैश्विक स्तर पर जुड़कर अपना बौद्धिक विकास करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी इसका सकारात्मक उपयोग कर अपना कैरियर बनाएं। पूर्व कुलपति डॉ. बीएल आर्या ने कंप्यूटर की तकनीक पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। साथ ही कहा कि इंटरनेट पर अपार सामग्री उपलब्ध है आप इसका सपोर्टिंग रूप में इस्तेमाल करें। साथ ही यह भी ध्यान रखें कि एआई आपके बुद्धि और ज्ञान से आगे न निकल पाए। स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. विनय वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन डॉ. धर्मेंद्र सिंह और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. झांसी मिश्रा ने किया । इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक अजीत सिंह, ड़ॉ. प्रमोद यादव, डॉ सुनील कुमार, डॉ. आशीष गुप्ता, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. राजेंद्र सिंह, विकास सिंह समेत शिक्षक विद्यार्थी और कर्मचारी शामिल थे।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में रोटरी क्लब कुशीनगर की एक नई पहल

डीएम व ज्वाइंट मजिस्ट्रेट को कपड़े का झोला भेंट किया, स्वच्छता के लिए पर्यावरण संरक्षण के प्रति उठाएं कदम: उमेश मिश्रा

प्रखर कुशीनगर। रोटरी क्लब कुशीनगर ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक नई पहल के तहत कपड़े से बने झोला वितरित करने का कार्यक्रम आयोजित किया है। इस जागरूकता अभियान का शुभारंभ जिलाधिकारी कुशीनगर उमेश मिश्रा और कसया ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी अंकिता जैन को कपड़े का झोला प्रदान करके किया गया। जिलाधिकारी कुशीनगर ने रोटरी के इस जागरूकता अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पहल प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों का सामना करने का प्रयास है। सिंगल यूज प्लास्टिक से हमारे वातावरण पर सदियों तक विपरीत प्रभाव पड़ता है। पर्यावरण संरक्षण की ओर सभी को कदम बढ़ाना होगा तभी हम वातावरण स्वच्छ रख पाएंगे। कसया ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी अंकिता जैन ने भी इस अभियान की प्रशंसा की और कहा कि यह एक सकारात्मक कदम है जो स्थानीय समुदाय को मिलकर पर्यावरण सुरक्षा में योगदान करने के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर रोटरी के संरक्षक राकेश जायसवाल, अध्यक्ष वाहिद अली, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय गुप्ता, दिनेश यादव, कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुर्वेदी, सह-कोषाध्यक्ष सदरे आलम, रक्तदान संयोजक विजय कृष्ण द्विवेदी, डॉ. सुनील सिंह, महीप राव और आदिल खान भी मौजूद रहे।

सृजन सामाजिक विकास न्यास के सौजन्य से 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने किया स्वच्छता अभियान एवं बाटा कंबल

प्रखर वाराणसी। हिमांशु नागपाल आईएएस मुख्य विकास अधिकारी वाराणसी के दिशा निर्देश में सृजन सामाजिक विकास न्यास के अध्यक्ष एवं गंगा हरीतिमा अभियान के ब्रांड अम्बेसडर अनिल कुमार सिंह के मिशन एक करोड़ पौध रोपण के तहत उनके संयोजन में आज प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी द्वारा गोद लिए ग्राम सभा कुरहुआ में स्वच्छता अभियान चलाया गया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वाराणसी जिले के उऊड हिमांशु नागपाल जी थे, उनके साथ गंगा समग्र के युवा वाहिनी के प्रांतीय अध्यक्ष सौरभ सिंह पटेल(चिंटू) जी , 95 बटालियन के अनिल कुमार दिशा निर्देश में निरीक्षक प्रिंस सिंह, प्रवीण सिंह व 95 की टीम, प्रांजल मिश्रा जी, राहुल पटेल जी,काशी विद्यापीठ के बीडीओ ग्राम सभा के प्रधान जी, और बड़ी संख्या में गंगा समग्र के कार्यकर्ता, सृजन संस्था के सदस्य, और 95 बटालियन के सम्मानित अधीनस्थ अधिकारी व जवान, व ग्रामीण बंधु उपस्थित थे, स्वच्छता कार्यक्रम के उपरान्त कुरहुआ ग्राम पंचायत भवन पर माननीय मुख्य अतिथि के द्वारा सृजन संस्था के तत्वावधान में ग्रामीण महिलाओ को कंबल वितरण भी किया गया, माननीय मुख्य अतिथि जी द्वारा मोदी जी द्वारा हो रहे विकास कार्यो को और उनके द्वारा चल रहे योजनाओं को बताया गया,सामजिक संस्था सृजन के संयोजक आदरणीय अनिल सिंह जी द्वारा माँ गंगा को स्वच्छ रखने का व अपने गांव को भी स्वच्छ रखने का सभी को शपथ भी दिलवाया गया।

संक्षिप्त खबरें

कालीचरण चौहान के नेतृत्व में चला सड़क सुरक्षा अभियान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नेहरु युवा केंद्र गाजीपुर, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार से तत्वावधान में सडक सुरक्षा सप्ताह का कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में आज बिरनो विकासखंड में जिला युवा पुरस्कार से सम्मानित नेहरु युवा मंडल रायपुर के पूर्व अध्यक्ष कालीचरण चौहान द्वारा जागरुकता अभियान चलाया गया।सदस्यों द्वारा हेल्मेट न पहनने वालों को जागरुक किया गया कि वह बिना हेलमेट पहने सड़क पर मोटरसाइकिल पर न चलेस इससे होने वाले एक्सीडेंट में जान भी जा सकती है। चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाकर ही चले। जागरुकता टीम में बलवंत, आशीष ,संजय यादव ,अनिकेत,जय सिंह चौहान आदि सम्मिलित रहे।

गुरु गोबिंद जी ने अपना पूरा जीवन दूसरों के लिए व्यतीत किया : डीएम

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शहर के लाल दरवाजा स्थित गुरु गोबिंद सिंह की जंयती बुधवार को मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने अपने संबोधन में कहा कि हम लोगो को गुरु गोविंद सिंह के बताये हुए रास्ते की जरूरत है। गुरु गोविंद सिंह ने अपना पुरा जीवन दुसरो के लिए व्यतीत किया है। हम सब उनके बताये हुए रास्ते पर चलकर समाजिक कार्यों में मदद करने की अवश्यकता है। सरदार दर्शन सिंह ने बताया कि गुरु गोविंद सिंह कई भाषाओं का ग्यान रखते थें। वह समाज के लिए हर संभव प्रयास करते थें कार्यक्रम में मुख्य रूप से डीएम आर्यका अखौरी सरदार दर्शन सिंह नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि बिनोद अग्रवाल विजय शंकर वर्मा निर्गुन दास केशरी अमर नाथ तिवारी रमेश अच्छे लाल डा पार्थ सारथी विरेंद्र सत्य प्रकाश अशोक अग्रहरि नरेंद्र पाल चरणजीत सिंह सत्यपाल सिंह मनजीत सिंह जतपाल सिंह देवेंद्र पाल सिंह आदि मौजूद रहे।

अवैध रूप से चल रहे देसी शराब की दुकान के खिलाफ प्रदर्शन की अपील

प्रखर गोरखपुर। हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के कविता में चल रहे अवैध रूप से देसी शराब की दुकान के खिलाफ पूर्व विधानसभा प्रत्याशी दिलीप मौर्य ने तहसील पर विशाल धरना प्रदर्शन की क्षेत्र वासियों से अपील की तथा भारी से भारी संख्या में पहुंचने का आवाहन भी किया, मीडिया से बात करते हुए दिलीप मौर्य ने बताया कवीसा में देसी शराब की दुकान अवैध रूप से चल रही है, लगभग 6:00 बजे सुबह से ही वहां दारू बिकना शुरू हो जाता है, लाइसेंस कहीं और के नाम से है, अवैध रूप से चल रहे देसी शराब की दुकान से ग्रामीण माहौल पर बहुत ही बुरा असर पड़ रहा है।

विधायक प्रतिनिधि ने स्वच्छता का दिया संदेश

प्रखर सहजनवां, गोरखपुर। सदर तहसील क्षेत्र में विकासखंड जंगल कौडिया अंतर्गत ग्राम पंचायत दहला महला मे स्थित प्राचीन झारखंडी शिव मंदिर परिसर में कैंपियरगंज विधायक प्रतिनिधि मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में अभियान के तहत साफ सफाई किया गया। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के आवाहन पर बुधवार को प्राचीन झारखंडी शिव मंदिर परिसर में अभियान चलाकर कैंपियरगंज विधायक प्रतिनिधि मनोज कुमार सिंह ने साफ सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया इस दौरान मंदिर के प्रधान पुजारी दिनेश गिरी मंडल अध्यक्ष चंद्रप्रकाश दुबे मंडल महामंत्री परशुराम मल मंडल उपाध्यक्ष हरिओम सिंह शक्ति केंद्र संयोजक मोनू सिंह जिला मंत्री सदानंद शर्मा मंडल उपाध्यक्ष शांतनु सिंह सांसद प्रतिनिधि बृजभूषण मिश्रा बबलू निषाद आदि मौजूद रहे।

मंदिर मस्जिद में सीसीटीवी कैमरा लगाने को लेकर एसपी सिटी ने ली बैठक

प्रखर जौनपुर। अपर पुलिस अधीक्षक नगर बृजेश कुमार गौतम सीओ सिटी कुलदीप कुमार गुप्ता के नेतृत्व में बुधवार दिन के लगभग एक बजे नगर कोतवाली परिसर में मंदिर मस्जिद व पूजा स्थल के पुजारी और मुतवल्लीयो के साथ एक बैठक की गई। एसपी सिटी व उपस्थित पुलिस अधिकारियों द्वारा सभी लोगों को बताया गया कि मंदिर मस्जिद व पूजा स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जानें की सलाह दी गई। सीसीटीवी कैमरे मंदिर मस्जिदो वह पूजा स्थलों पर इसलिए लगाया जाना अति आवश्यक है कि आराजक तत्वों द्वारा किसी भी तरह की शरारत की जाए तो इसका खुलासा आसानी से किया जा सके। इसके अलावा उसकी सुरक्षा भी उचित ढंग से हो सकेगी। बैठक में शहर कोतवाल मिथिलेश कुमार मिश्रा चौकी प्रभारी राज कालेज राम प्रकाश यादव चौकी प्रभारी शंकर मंडी कंचन पांडे राजिव मल विसेन समेत कई उप-निरीक्षक मौजूद रहे हैं। नगर क्षेत्र के सभी प्रमुख मंदिर और मस्जिद की देखरेख करने वाले पुजारी और मुतवल्लीयो द्वारा पुलिस की इस सलाह का स्वागत किया है।

संक्षिप्त खबरें

अब दक्षिण कोरिया से सुलह का प्रयास नहीं : उन

सियोल । उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने कहा कि उनका देश अब दक्षिण कोरिया के साथ सुलह का प्रयास नहीं करेगा और उन्होंने युद्ध में विभाजित देशों के बीच साझा राष्ट्र के विचार को खत्म करने के लिए उत्तर कोरिया के संविधान को फिर से लिखने का आह्वान किया। दोनों कोरियाई देशों द्वारा साझा राष्ट्रीय एकरूपता की भावना पर आधारित एकीकरण के दशकों पुराने प्रयास को खत्म करने का यह ऐतिहासिक कदम क्षेत्र में तनाव बढ़ने के बीच उठाया गया है। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया से संबंध बनाए रखने से जुड़े अहम सरकारी संगठनों को भी समाप्त कर दिया है।

बर्नार्डो एरेवलो बने ग्वाटेमाला के नए राष्ट्रपति

ग्वाटेमाला । ग्वाटेमाला में 65 वर्षीय बर्नार्डो एरेवलो ने नए राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। एरेवलो के सामने देश में बदलाव लाने के अपने वादों को पूरा करने की बड़ी चुनौती है। उन्हें एक राजनीतिक उदारवादी पृष्ठभूमि वाला और संघर्षों का समाधान करने वाला लीडर माना जाता है। उनका यह कौशल ग्वाटेमाला के वर्तमान ध्रुवीकरण से निपटने में उनके काम आएगा। बर्नार्डो एरेवलो ग्वाटेमाला के पूर्व राष्ट्रपति जुआन जोस एरेवलो के पुत्र हैं। उनका जन्म उरुग्वे में हुआ था, जहां उनके पिता 1954 में निर्वासन में रह रहे थे।

श्रीलंका में डेंगू के 5000 से अधिक मामलों की पुष्टि

कोलंबो । श्रीलंका में इस साल जनवरी में अब तक पांच हजार से अधिक डेंगू के मामलों की पुष्टि हुई है। राष्ट्रीय डेंगू नियत्रंण इकाई (एनडीसीयू) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार जनवरी के पहले पखवाड़े के दौरान 5,829 मामले सामने आए हैं। पश्चिमी प्रांत में सबसे अधिक 1,956 और इसके बाद उत्तरी प्रांत में 1,390 मामले दर्ज किए गए। इससे पहले स्वास्थ्य मंत्रालय ने दक्षिण एशियाई देश में मच्छर जनित बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए देशव्यापी डेंगू रोकथाम सप्ताह की घोषणा की थी। उल्लेखनीय है कि पिछले साल श्रीलंका में डेंगू के 88,398 डेंगू के मामले सामने आए थे और 57 मरीजों की मौत हुई थी।

तुर्की में बस दुर्घटना नौ की मौत, 30 घायल

अंकारा । तुर्की के दक्षिण-पूर्व में बस दुर्घटना में नौ लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए। तुर्की मीडिया की रिपोर्टों के मुताबिक अंताल्या से मेर्सिन जा रही बस दक्षिणपूर्वी तुर्की में पलट गई। मेर्सिन प्रशासन के ने बताया कि घायल नागरिकों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सभी मृतक और घायल तुर्की के नागरिक हैं।

इराक का लक्ष्य डब्ल्यूटीओ में शामिल होना : राशिद

बगदाद । इराक के राष्ट्रपति अब्दुल लतीफ राशिद ने कहा कि उनका लक्ष्य देश की व्यापार प्रणाली को बढ़ावा देने और सतत विकास हासिल करने के लिए विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में शामिल होना है। राष्ट्रपति राशिद ने डब्ल्यूटीओ में सऊदी प्रतिनिधि सकर अल-मुकबेल के साथ बैठक के दौरान यह बात कही। मुकबेल संगठन में इराक के विलय को संभालने वाली टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। राशिद ने कहा कि इराक डब्ल्यूटीओ में शामिल होने के लिए आवश्यक व्यापार और आर्थिक मानकों को पूरा करने के लिए उत्सुक है और सऊदी टीम को उसके प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया।

अमेरिका ने ईरान के मिसाइल हमलों की कड़ी निंदा की

वाशिंगटन । अमेरिका ने इराक के अरबील शहर पर ईरानी सेना द्वारा किए गए मिसाइल हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा, अमेरिका अरबील में ईरान के हमलों की कड़ी निंदा करता है और मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है। हम ईरान के लापरवाह मिसाइल हमलों का विरोध करते है, जो इराक की स्थिरता को कमजोर करते है। हम इराकी लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए इराक सरकार और कुर्दिस्तान क्षेत्रीय सरकार के प्रयासों का समर्थन करते है।

अमेरिका में हाड़ कंपाने वाली ठंड, कई जगह पारा शून्य से 40 डिग्री नीचे

बफेलो (एपी)। अमेरिका के अधिकतर हिस्से में हाड़ कंपाने वाली ठंड और शीतलहर का प्रकोप जारी है। मैरीलैंड के कॉलेज पार्क में राष्ट्रीय मौसम सेवा में मौसम विज्ञानी जैक टेलर ने कहा कि आर्कटिक से आ रहे तूफान का असर अमेरिका के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में देखा जा सकता है। उत्तरी और उत्तरपूर्वी मोंटाना में पारा शून्य से 6.7 डिग्री सेल्सियस से लेकर शून्य से 40 सेल्सियस तक दर्ज किया गया। मौसम विभाग की ओर से 15 करोड़ अमेरिकियों के लिए ठंडी हवा चलने की चेतावनी या खतरनाक ठंड संबंधी परामर्श जारी किया गया है।

टेलर ने बताया कि मोंटाना के साको में तापमान शून्य से 26 सेल्सियस नीचे चला गया। कंसास, मिसौरी, इलिनोइस और इंडियाना के कुछ हिस्सों में भी पारा शून्य से नीचे बना हुआ है। देश में जारी जारी बिजली कटौती के के कारण 1 लाख और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की बत्ती गुल है। इनमें से ज्यादातर ओरेगोन में हैं। तेज हवा चलने और बर्फीले तूफान के कारण बिजली आपूर्ति संबंधी मरम्मत के प्रयासों में देरी हो रही है। शिकागो समेत प्रमुख शहरों में मंगलवार को कक्षाएं निलंबित कर दी गई। तूफान के कारण पोर्टलैंड के आसपास सप्ताहांत में चार लोगों की मौत हो गई जिनमें से दो लोगों की मौत संदिग्ध हाइपोथर्मिया (अत्यधिक ठंड) के कारण हुई। मिलवॉकी इलाके में तीन बेघर लोगों की मौत की जांच की जा रही है। ऐसी आशंका है कि उनकी मौत हाइपोथर्मिया के कारण हुई। उटाह में 24 घंटे के दौरान पर्वतीय क्षेत्र में करीब चार फुट तक बर्फबारी दर्ज की गई है।

कश्मीर में शीत लहर का प्रकोप

श्रीनगर (भाषा)। कश्मीर में शीत लहर के बीच कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु से कई डिग्री नीचे गिर गया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों बताया कि श्रीनगर शहर में सोमवार रात तापमान शून्य से 4.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया जो इससे एक रात पहले शून्य से 4.3 डिग्री सेल्सियस नीचे था। काजीगुंड में तापमान शून्य से 4.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि उत्तरी कश्मीर के गुलमर्ग में तापमान शून्य से 3.1 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से 5.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। कोकेरनाग शहर में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 2.3 डिग्री सेल्सियस नीचे और कुपवाड़ा में शून्य से 4.1 डिग्री नीचे सेल्सियस दर्ज किया गया।

■ तापमान जमाव बिंदु से नीचे पहुंचा

अधिकारियों ने बताया कि कश्मीर में मौसम शुष्क है और बर्फबारी नहीं होने से रात में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है जबकि दिन अपेक्षाकृत गर्म हैं। श्रीनगर में दिन का तापमान साल के इस समय के सामान्य से आठ डिग्री अधिक है। कश्मीर में वर्तमान में 40 दिनों की कठोर सर्दियों की अवधि 'चिल्लई-कलां' जारी है। इन दिनों क्षेत्र में शीत लहर चलती है और तापमान बेहद नीचे चला जाता है, जिससे जल निकायों के साथ-साथ पाइप में भी पानी जम जाता है। इस अवधि के दौरान बर्फबारी की संभावना अधिक होती है और अधिकांश क्षेत्रों, विशेषकर ऊंचे इलाकों में भारी बर्फबारी होती है।

कश्मीर लंबे समय से सूखे के दौर से गुजर रहा है और दिसम्बर में 79 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई। जबकि जनवरी के पहले पखवाड़े में भी घाटी के ज्यादातर हिस्सों में कोई बारिश नहीं हुई है। कश्मीर के अधिकतर मैदानी इलाकों में बर्फबारी नहीं हुई है, जबकि घाटी के ऊपरी इलाकों में सामान्य से कम बर्फबारी हुई है। मौसम विभाग ने 21 जनवरी तक शुष्क मौसम रहने का अनुमान जताया है। 'चिल्लई-कलां' 31 जनवरी को खत्म हो जाएगा। उसके बाद 20 दिन की 'चिल्लई-खुर्द' और 10 दिन की 'चिल्लई-बच्चा' की अवधि चलेगी और ठंड की स्थिति जारी रहेगी।

आयोवा कॉकस में ट्रंप की जीत

डेस मोइनेस (एपी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आयोवा कॉकस में जीत हासिल कर ली। इसके साथ ही राष्ट्रपति पद के आगामी चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार चुने जाने की लंबी प्रक्रिया में ट्रंप अच्छी शुरुआत करने में सफल हो गए हैं। आयोवा कॉकस में ट्रंप को 51 प्रतिशत, डीसैंटिस को 21.2 प्रतिशत और हेली को 19.1 प्रतिशत वोट मिले। अमेरिकी उद्यमी विवेक रामास्वामी को मात्र 7.7 प्रतिशत वोट मिले। निराशाजनक प्रदर्शन के बाद रामास्वामी ने 2024 के राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनने की दौड़ से हटने की घोषणा कर दी।

■ अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से भारतीय मूल के उद्यमी रामास्वामी ने दावेदारी वापस ली

आयोवा कॉकस में फ्लोरिडा के गवर्नर आर डीसैंटिस पार्टी का उम्मीदवार बनने की दौड़ में शामिल इकलौती महिला एवं संयुक्त राष्ट्र की पूर्व राजदूत निक्की हेली को पछाड़कर दूसरे स्थान पर रहे। अब 23 जनवरी को न्यू हैम्पशायर में दावेदारों के बीच मुकाबला होगा। बायोटेक उद्यमी रामास्वामी (38) ने अपने प्रतिद्वंद्वी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया। इससे पहले उन्होंने ट्रंप को 21वीं सदी का सबसे अच्छा राष्ट्रपति बताया था। हालांकि, उन्होंने इसके साथ ही रिपब्लिकन मतदाताओं को नए चेहरे का चुनाव करने के लिए मनाने की कोशिश की थी। आयोवा कॉकस के लिए मतदाताओं ने हाड़ कंपा देने वाली ठंड के बीच मतदान किया। ट्रंप राष्ट्रपति पद के

चुनाव में लगातार तीसरी बार रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने के लिए दावेदारी पेश कर रहे हैं। कॉकस के भागीदार अपने विचार रखने के लिए 1,500 से अधिक स्कूलों, गिरजाघरों और सामुदायिक केंद्रों में एकजुट हुए और उन्होंने गुप्त मतदान किया। हेली ने कहा कि वह राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने की एकमात्र ऐसी दावेदार हैं जो ट्रंप के अलावा मौजूदा राष्ट्रपति बाइडन को टक्कर दे सकती हैं और 'ट्रंप-बाइडन दुःस्वप्न' को टाल सकती हैं।

दुनिया की समस्याओं को दूर करने के लिए सभी साथ आएं

वाशिंगटन (भाषा)। आयोवा प्रांत में अहम जीत मिलने के बाद अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि बेहतर होगा कि सभी लोग साथ आकर दुनिया की समस्याओं को दूर करने का प्रयास करें और मौतों तथा विनाश को रोकें।

रिपब्लिकन पार्टी की ओर से तीसरी बार राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवारी की दावेदारी कर रहे ट्रंप ने अमेरिका के 'सभी राजनीतिक वर्गों' से एकजुट होने को कहा। उन्होंने मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन पर अपना हमला जारी रखते हुए उन्हें 'अब तक का सबसे खराब राष्ट्रपति' करार दिया। ट्रंप ने कहा, मेरा मानना है कि अब समय आ गया है जब हमारे देश के सभी लोग एक साथ आएं, चाहे वह रिपब्लिकन हों या डेमोक्रेट या उदारवादी या रूढ़िवादी। पूर्व राष्ट्रपति ने अपने भाषण की शुरुआत में अप्रत्याशित रूप से 'प्रतिद्वंद्वियों को भी एकजुट हो कर साथ देने का संदेश' दिया। ट्रंप राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी की ओर से उम्मीदवारी की खातिर सबसे मजबूत दावेदार के रूप में उभरे हैं। उन्होंने सोमवार शाम आयोवा राज्य की राजधानी डेस मोइनेस में अपने समर्थकों को संबोधित किया। यह तीसरी बार रिपब्लिकन पार्टी की ओर से उम्मीदवारी हासिल करने की दिशा में उनका पहला आधिकारिक कदम है। ट्रंप ने कहा, बेहतर होगा अगर हम एक साथ आएं और दुनिया की समस्याओं का समाधान करें और उन मौतों एवं विनाश को रोकें जिसके गवाह हम बन रहे हैं।

'बल्ला' से वंचित इमरान बोले, अंपायर ने कर दिया 'नो बॉल' का इशारा

इस्लामाबाद (भाषा)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सुप्रीम कोर्ट पर परोक्ष रूप से तंज कसते हुए आरोप लगाया कि नवाज शरीफ दो अंपायरों के सहयोग से चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने आम चुनाव से पहले पार्टी को चुनाव चिह्न 'बल्ला' से वंचित किए जाने पर यह टिप्पणी की। जेल में बंद इमरान खान ने आरोप लगाया कि पीएमएल-एन प्रमुख नवाज शरीफ दो अंपायरों के सहयोग से चुनाव लड़ रहे हैं जिनमें से एक ने हाल ही में उनके खिलाफ 'नो बॉल' का इशारा किया ताकि उनकी पार्टी को चुनाव में हाशिये पर धकेला जा सके। पाकिस्तान में आठ फरवरी को आम चुनाव होने वाले हैं।

■ पारदर्शी अंतर-पार्टी चुनाव कराने में विफल रहने के कारण पार्टी से चुनाव चिन्ह छिना

उच्चतम न्यायालय का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान ने उनकी पार्टी को दरकिनार करने के लिए 'लंदन योजना' पर दोष मढ़ा। तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले की सुनवाई के बाद रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अडियाला जेल में 71 वर्षीय खान ने कहा कि तीन बार के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ हमेशा अपनी पसंद के 'अंपायरों' के साथ मैच खेलते हैं। क्रिकेटर से नेता बने खान ने उच्चतम न्यायालय के शनिवार के आदेश का जिक्र करते हुए कहा, 'परसों एक अंपायर ने 'नो-बॉल' दे दी।' इस आदेश के परिणामस्वरूप पीटीआई को उसके चुनाव चिह्न 'क्रिकेट का बल्ला' से वंचित होना पड़ा। शीर्ष अदालत की तीन सदस्यीय समिति ने पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) के 22 दिसंबर के फैसले को बरकरार रखा, जिसमें पारदर्शी अंतर-पार्टी चुनाव कराने में विफल रहने के कारण इमरान खान की पार्टी पीटीआई को उसके चुनाव चिह्न से वंचित कर दिया गया था।

इंडिगो, एमआईएएल को कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली (भाषा)। विमानन सुरक्षा निगरानी संस्था बीसीएएस ने रविवार को मुंबई हवाई अड्डे के 'टरमैक' पर यात्रियों के खाना खाने की घटना पर इंडिगो और हवाई अड्डा संचालक एमआईएएल को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

रविवार को लंबी देरी के बाद जैसे ही मार्ग परिवर्तन वाली उनकी गोवा-दिल्ली उड़ान मुंबई हवाई अड्डे पर उतरी, कई यात्री इंडिगो के विमान से बाहर निकल आए, 'टरमैक' पर बैठ गए तथा कुछ को वहां खाना खाते हुए भी देखा गया। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) द्वारा जारी नोटिस के अनुसार, इंडिगो और एमआईएएल दोनों ही स्थिति का अनुमान लगाने तथा हवाई अड्डे पर यात्रियों के लिए उचित सुविधा व्यवस्था करने में समय से पहले सक्रिय नहीं हुए।

■ मुंबई हवाई अड्डे के 'टरमैक' पर यात्रियों के खाना खाने की घटना का मामला

सूत्रों के अनुसार, विमान को 'कॉन्टैक्ट स्टैंड' के बजाय 'रिमोट बे सी-33' आवंटित किया गया था। 'कॉन्टैक्ट स्टैंड' विमान का ऐसा पार्किंग स्टैंड होता है जो विमान में सवार होने संबंधी गेट से यात्रियों को विमान तक और विमान से आने-जाने के लिए उपयुक्त होता है। उन्होंने कहा कि इससे यात्रियों की परेशानियां और बढ़ गई तथा वे टर्मिनल पर विश्राम कक्ष एवं जलपान जैसी बुनियादी सुविधाओं का लाभ उठाने से वंचित रह गए। सूत्रों ने बताया कि मुंबई हवाई अड्डे के 'टरमैक' पर यात्रियों के खाना खाने का वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बीती रात लगभग साढ़े बारह बजे मंत्रालय के सभी अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने बताया कि मंगलवार तड़के बीसीएएस ने इंडिगो और एमआईएएल को कारण बताओ नोटिस जारी किया। मुंबई हवाई अड्डे का संचालन मुंबई इंटरनेशनल हवाई अड्डा लिमिटेड (एमआईएएल) द्वारा किया जाता है।

मणिपुर : निलंबित अधिकारियों की बहाली का आग्रह

इंफाल (भाषा)। मणिपुर में 10 आदिवासी विधायकों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर उनसे तीन अधिकारियों की सेवाएं फिर से बहाल करने का राज्य सरकार को निर्देश देने का अनुरोध किया है।

इन अधिकारियों को चूराचांदपुर और कांगपोकपी जिलों में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से मान्यता हासिल करने में 26 स्कूलों की मदद करने के आरोप में निलंबित किया गया है। गृह मंत्रालय को भेजे ज्ञापन में सत्तारूढ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सात विधायकों समेत इन नेताओं ने दावा किया कि ऐसी जानकारी है कि मणिपुर शिक्षा विभाग में सेवा दे रहे कुकी-जोमी अधिकारियों को इस पूर्वोत्तर राज्य में जातीय हिंसा के बाद सीबीएसई से मान्यता हासिल करने के वास्ते 26 स्कूलों को अनापत्ति प्रमाणपत्र देने के लिए राज्य सरकार ने निलंबित कर दिया है। विधायकों ने इन स्कूलों की जल्द से जल्द 'सीबीएसई मान्यता बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने' की भी मांग की। राज्य के शिक्षा मंत्री टी. बसंत कुमार सिंह की इस पर टिप्पणी नहीं मिल पायी है। इससे पहले, मणिपुर सरकार ने अनधिकृत व्यक्तियों/अधिकारियों द्वारा सीबीएसई मान्यता के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी करने के मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की थी। सीबीएसई ने बाद में इस आधार पर तत्काल प्रभाव से मान्यता वापस ले ली थी कि इन स्कूलों द्वारा जमा कराए अनापत्ति प्रमाणपत्र राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारियों ने जारी नहीं किए हैं और राज्य सरकार ने मान्यता रद्द करने का अनुरोध किया है।

■ 10 आदिवासी विधायकों ने अमित शाह को लिखा पत्र

स्विट्जरलैंड ने यूक्रेन के राष्ट्रपति के सामने रखा शांति सम्मलेन का प्रस्ताव

दावोस (एपी)। स्विट्जरलैंड की यात्रा बर्न पहुंचे यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की स्विस राष्ट्रपति वियोला एमहर्ड से मुलाकात की। स्विस राष्ट्रपति ने रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए शांति शिखर सम्मेलन आयोजित करने का प्रस्ताव रखा।

एमहर्ड ने जेलेंस्की मुलाकात के बाद कहा, 'मैंने उनसे कहा कि स्विट्जरलैंड सम्मेलन आयोजित करने के लिए तैयार है। हम इस बात पर सहमत हुए हैं कि हम शांति प्रक्रिया की सफलता सुनिश्चित करने के लिए अगले कदमों को लेकर गहन विवेचना करेंगे।' दोनों देशों के राष्ट्रपतियों ने कहा कि यूक्रेन और स्विट्जरलैंड वैश्विक शांति शिखर सम्मेलन की तैयारी शुरू कर देंगे। इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई कि यह शिखर सम्मेलन कब और कैसे हो सकता है और रूस को इस प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा या नहीं। जेलेंस्की ने कहा, 'इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य उन सभी कदमों को ऊर्जा देना है जो (युद्ध समाप्त करने के लिए) अब तक उठाए गए हैं।

ईरान ने किया उत्तरी इराक और सीरिया पर हमला

इरबिल (एपी)। ईरान ने इराके के इरबिल इलाके में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के पास मिसाइल हमला किया और इसे जासूसी मुख्यालय और ईरान विरोधी आतंकवादी समूहों के जमावड़े पर हमला करार दिया। इराक की कुर्द क्षेत्रीय सरकार की सुरक्षा परिषद ने कहा कि इन हमलों में चार नागरिक मारे गए और छह लोग घायल हो गए।

■ इराक के इरबिल इलाके में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के पास गिरा मिसाइल

इराक के पूर्व सांसद मशान अल-जाबौरी की ओर से 'एक्स' पर साझा की गई पोस्ट के अनुसार हमले में प्रमुख स्थानीय व्यवसाई पेश्रा दिजाई और उनके परिवार के सदस्य मारे गए। उन्होंने बताया कि मिसाइल दिजाई के महल पर गिरी जो उनके पड़ोस में है। इराक में कई अन्य क्षेत्रीय राजनीतिक हस्तियों ने भी दिजाई की मौत की पुष्टि की है। ईरान के 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' ने कहा कि उसने सीरिया में इस्लामिक स्टेट के ठिकानों सहित आतंकवादी गतिविधियों के केंद्रों पर हमला किया। ईरान ने इराक के कुर्द क्षेत्र में इस्राइली खुफिया एजेंसी मोसाद के मुख्यालय पर हमला करने का भी दावा किया। इस्लामिक स्टेट ने जनवरी के शुरूआत में ईरानी जनरल की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम को निशाना बनाकर दो आत्मघाती बम विस्फोट किए जाने की जिम्मेदारी ली थी।

दुनिया को संकटों से निपटने के लिए व्यावहारिकता की जरूरत : पुरी

दावोस (भाषा)। यूक्रेन-रूस युद्ध के प्रभावों से निपटने में भारत का उदाहरण देते हुए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि दुनिया को अपने सामने आने वाली चुनौतियों और संकटों से व्यावहारिक रूप से निपटने की जरूरत है। पुरी यहां विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में 'ऊर्जा और प्रतिद्वंद्विता' विषय पर एक सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि यूक्रेन युद्ध के बाद ऊर्जा संकट का संकेत मिलने के पश्चात भारत ने शुरुआत में ही व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाया और परिणाम सभी के सामने हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मामलों के साथ-साथ आवास और शहरी मामलों के मंत्री पुरी ने कहा कि देखभाल के लिए भारत में एक बड़ी आबादी है और लाखों लोगों को दिन में तीन बार खाना खिलाना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, लेकिन साथ ही हमने अपनी घरेलू मजबूरियों को टिकाऊ भविष्य के प्रति अपनी वैश्विक प्रतिबद्धताओं के आड़े नहीं आने दिया। वहीं, यूरोपीय आयोग के ऊर्जा आयुक्त कादरी सिमसन ने कहा कि वह इस बात से सहमत हैं कि व्यावहारिकता आवश्यक है और यूरोप भी इसे मानता है।

उद्योग और शिक्षा जगत के प्रतिनिधियों सहित पैनल में शामिल वक्ताओं ने ऊर्जा और भू-राजनीति के तेजी से आपस में जुड़ने तथा देशों द्वारा तेल, गैस और स्वच्छ ऊर्जा समाधानों सहित अपनी वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में विविधता लाने के लिए खुले तौर पर प्रतिस्पर्धा करने के बारे में बात की। पुरी ने कहा कि दुनिया भर में जो बदलाव हो रहे हैं और जब कई तरह के संकट हैं, भारत जैसे देश को अपनी बढ़ती आबादी की जरूरतों को पूरा करते हुए सतत विकास सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा, भारत की खपत वैश्विक औसत से तीन गुना बढ़ रही है। भारत वर्तमान में हर साल एक शिकागो के बराबर आवास स्थान बनाने की प्रक्रिया में है।' मंत्री ने कहा, दुनिया के सामने जितनी भी चुनौतियां हैं, हमें उनका व्यावहारिक रूप से सामना करना होगा। अगर भारत ने यूक्रेन संकट के बाद खुद को उन्हीं संसाधनों से काम लेने की स्थिति में छोड़ दिया होता, तो हमारी ईंधन कीमतें काफी बढ़ जातीं।'

न्यूजीलैंड : ईवी वाहनों पर शुल्क में छूट होगी समाप्त

वेलिंगटन(वार्ता)। न्यूजीलैंड में हल्के और प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के मालिकों के लिए सड़क उपयोगकर्ता शुल्क (आरयूसी) से छूट एक अप्रैल को समाप्त हो जाएगी।

न्यूजीलैंड के परिवहन मंत्री शिमोन ब्राउन ने मंगलवार को कहा कि सड़कों के रखरखाव की लागत में योगदान करने के लिए सड़क उपयोगकर्ताओं द्वारा पेट्रोल कर और दूरी-आधारित आरयूसी का भुगतान किया जाता है, लेकिन ईवी और प्लग-इन हाइब्रिड को आरयूसी को छूट दी गई थी। अब ईवी और प्लग-इन हाइब्रिड मालिकों को भी शुल्क अदा करना होगा। धीरे-धीरे सभी वाहनों को आरयूसी सिस्टम में लाना है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि सभी सड़क उपयोगकर्ता सड़कों के रख-रखाव में योगदान दे रहे हैं, चाहे वे किसी भी प्रकार का वाहन चुनें। ब्राउन ने कहा कि प्लग-इन हाइब्रिड बिजली और पेट्रोल से संचालित होते है और उन्हें पेट्रोल कर का भुगतान करना पड़ता है, लेकिन पेट्रोल-समतुल्य वाहनों के समान स्तर पर नहीं।

मणिपुर: मोरेह एसडीपीओ की हत्या के आरोप में दो गिरफ्तार

इंफाल (भाषा)। मणिपुर में तेंगनोउपल जिले के मोरेह में एक उप संभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) की हत्या में कथित रूप से शामिल दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने एक बयान में बताया कि विशेष कमांडो टीम ने सोमवार शाम सीमावर्ती शहर से दोनों को पकड़ा। पुलिस ने कहा, मोरेह कॉलेज के पास गश्त के दौरान सुरक्षाकर्मियों ने दो संदिग्धों को देखा, जिन्होंने सुरक्षाकर्मियों के वाहनों पर गोलीबारी शुरू की और घनी आबादी वाले इलाके की ओर भाग गये। सुरक्षा बलों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और मोरेह कॉलेज के पास के इलाके को घेर लिया। बयान में बताया गया है कि दोनों आरोपियों को अंततः पकड़ लिया गया।

■ कब्जे से आग्नेयास्त्र और गोला-बारूद बरामद

इसमें बताया गया कि उनके कब्जे से आग्नेयास्त्र और गोला-बारूद मिलने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। महिलाओं के समूह ने दोनों की रिहाई की मांग को लेकर मोरेह पुलिस थाने के सामने प्रदर्शन किया। बयान के मुताबिक, दोनों गिरफ्तार व्यक्ति पिछले वर्ष अक्टूबर में हुई मोरेह के एसडीपीओ चिंगथम आनंद की हत्या के मामले के 'मुख्य संदिग्धों में शामिल' हैं। आनंद की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई थी जब उनके नेतृत्व में एक पुलिस दल कुकी-जो समुदाय के प्रभुत्व वाले सीमावर्ती शहर के 'ईस्टर्न ग्राउंड' में नवनिर्मित हेलीपैड का निरीक्षण कर रहा था। अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में पर्वतीय जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' आयोजित किए जाने के बाद तीन मई को मणिपुर में हुई जातीय झड़पों में 180 से अधिक लोगों की जान चली गई।

खबर संक्षेप

फेडरल बैंक के मुनाफे में 25 फीसदी की वृद्धि

नई दिल्ली। फेडरल बैंक का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में मुनाफा 25 प्रतिशत बढ़कर 1,007 करोड़ रुपये रहा। बैंक का पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में शुद्ध मुनाफा 804 करोड़ रुपये रहा था। फेडरल बैंक ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 6,593 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की समान अवधि में 4,967 करोड़ रुपये थी। निजी क्षेत्र के बैंक ने इस तिमाही में 5,730 करोड़ रुपये की ब्याज आय अर्जित की, जो एक साल पहले इसी अवधि में यह 4,433 करोड़ रुपये थी।

ईएसआईसी ने नवंबर में 15.92 लाख सदस्य जोड़े

नई दिल्ली। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने नवंबर में ईएसआई योजना के तहत 15.92 लाख नए कर्मचारियों को जोड़ा।

श्रम मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, नवंबर 2023 में करीब 20,830 नए प्रतिष्ठान पंजीकृत हुए और ईएसआईसी की सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आए। बयान के अनुसार, नियमित वेतन पर रखे गए कर्मचारियों के ईएसआईसी के आंकड़ों से पता चलता है कि नवंबर में करीब 15.92 लाख नए कर्मचारियों को जोड़ा गया।

एचडीएफसी बैंक का शुद्ध लाभ 34 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता एचडीएफसी बैंक का एकल आधार पर शुद्ध लाभ चालू

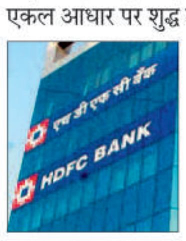

वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर, 2023) में 34 प्रतिशत बढ़कर 16,373 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बैंक का बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में शुद्ध लाभ 12,259 करोड़ रुपये रहा था।

आईटीसी के निदेशक रॉबर्ट ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली। विभिन्न कारोबार से जुड़ी आईटीसी लि. के गैर-कार्यकारी निदेशक डेविड रॉबर्ट सिम्पसन ने व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा दे दिया है। कोलकाता की कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उनका इस्तीफा 30 जनवरी से प्रभावी होगा। सिम्पसन ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको पीएलसी की अनुषंगी कंपनी टोबैको मैन्युफैक्चरर्स (इंडिया) लि. के प्रतिनिधि के रूप में आईटीसी निदेशक मंडल में थे।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र के मुनाफे में 34 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में मुनाफा 34 प्रतिशत बढ़कर

1,036 करोड़ रुपये रहा। बैंक का पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में मुनाफा 775 करोड़ रुपये रहा था। बीओएम ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 5,851 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 4,770 करोड़ रुपये थी। इस दौरान बैंक ने 5,171 करोड़ रुपये की ब्याज आय अर्जित की, जबकि 2022-23 की इसी अवधि में यह 4,129 करोड़ रुपये थी।

रोल्स रॉयस 19 जनवरी को भारत में लांच करेगी अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार

कार की शुरूआती कीमत 7 से 9 करोड़ रुपए होने की उम्मीद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रोल्स रॉयस 19 जनवरी 2024 को आधिकारिक तौर पर भारत में अपनी पहली ईवी लांच करने जा रही है। इससे पहले नवंबर 2023 में कंपनी ने चेन्नई में स्पेक्टर की पहली यूनिट की डिलीवरी की थी। स्पेक्टर फ्लैगशिप एसयूवी फैंटम और घोस्ट के बीच स्थित होगी, जिसकी शुरुआती कीमत 7-9 करोड़ रुपए एक्स-शोरूम होने की उम्मीद है।

अन्य रोल्स-रॉयस मॉडलों से अलग स्पेक्टर के प्रत्येक पहिये पर पॉवर देने के लिए एक इलेक्ट्रिक मोटर के साथ वी12 इंजन को रिप्लेस करेगा, जिससे यह एक दमदार 4डब्ल्यूडी कार बन जाएगी।

कई शानदार खूबियों से लैस

स्पेक्टर का बाहरी डिजाइन काफी आकर्षक है, जिसमें अब तक की सबसे चौड़ी रोल्स-रॉयस ग्रिल शामिल है। 'स्पिरिट ऑफ एक्स्टसी' अपने शार्प पंखों के साथ बेहतर एरोडायनामिक्स मिलता है, जिससे 0.25सीडी का ड्रैग कोफिशियंट मिलता है; जो इसे अब तक का सबसे एयरोडायनेमिक रोल्स-रॉयस बनाता है। रोल्स-रॉयस ने स्पेक्टर के इंटीरियर के लिए बहुत सारे खास एलिमेंट्स को जोड़ा है। स्पेक्टर को स्टारलाईट दरवाजों से भी लैस किया जा सकता है, जिसमें 4,796 स्टार लाइटिंग्स शामिल हैं, जो रोल्स-रॉयस सीरीज में पहली बार देखने को मिलेगा।

स्पिरिट से लैस

टेक्नोलॉजी के तौर पर स्पेक्टर, स्पिरिट से लैस है, जो व्हीकल कार्यों को संभालने वाला और व्हिस्पर एप्लिकेशन के साथ इंटीग्रेटेड सिस्टम है। यह यूजर को दूर से अपनी कार से जुड़ने और इस लग्जरी कार के साथ रियल टाइम पहुंच का एक्सेस देता है। हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर में अपग्रेड के साथ प्लेनर सस्पेंशन सिस्टम, स्पेक्टर के 2,975 किलोग्राम वजन को भी आराम से संभाल सकती है।

इस ईवी कूप में एक पॉवरफुल 430 किलोवाट और 900 एनएम ड्राइवट्रेन है, जो इसे केवल 4.4 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की स्पीड तक पहुंचा देता है। इसमें 323 मील (520 किमी) की रेंज देने के लिए एक मजबूत 102 किलोवाट का बैटरी पैक है।

कंपनी का लक्ष्य 2030 के अंत तक अपने पूरे पोर्टफोलियो को इलेक्ट्रिक में तब्दील करना है, जो ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी के प्रति उनके दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है। रोल्स-रॉयस मोटर कार्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉर्स्टन मुलर-ओटवोस ने कहा कि स्पेक्टर उन खूबियों का प्रतीक है जिन्होंने रोल्स-रॉयस की विरासत को डिफाइन किया है।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री पुरी ने डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक में कहा

भारत 2028 से पहले ही 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा

एजेंसी ▶▶ दावोस

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि भारत 2028 से काफी पहले ही 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि देश की बड़ी आबादी के हितों की रक्षा के लिए ऊर्जा बदलाव को व्यवस्थित तरीके से किये जाने की जरूरत है।

- रक्षा के लिए ऊर्जा बदलाव को व्यवस्थित तरीके से करने की जरूरत

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस तथा आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री पुरी ने कहा कि भारत पर्यावरण को लेकर अपनी प्रतिबद्धताओं से अवगत है और बढ़ती अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा करते हुए सभी लक्ष्यों को समय पर पूरा करेगा।

खास बातें

- बढ़ती अर्थव्यवस्थी की सभी जरूरतों को भारत समय पर पूरा करेगा
- अब हम 4,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के करीब हैं

2028 तक इंतजार करने का जरूर नहीं

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक 2024 के दौरान 'स्थायी आर्थिक वृद्धि के लिए भारत के ऊर्जा बदलाव को गति' विषय पर सीआईआई-ईवाई के सत्र में उन्होंने यह बात कही। मंत्री ने विभिन्न वृहद आर्थिक मापदंडों का उल्लेख करते हुए कहा, मुझे नहीं लगता कि हमें 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए 2028 तक का इंतजार करने की जरूरत है।

कोई भी निर्णय बिना सोच विचार के न हो

पुरी ने कहा, " मेरा मानना है कि ऊर्जा बदलाव व्यवस्थित होना चाहिए...। इसमें सभी सुरक्षा उपाय होने चाहिए जो यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी निर्णय बिना सोच-विचार न लिया जाए।" पुरी ने कहा कि यह भारत जैसे देश के लिए और भी महत्वपूर्ण है, जो अब दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश भी है।

बड़ी आबादी का ख्याल रखना जरूरी

मंत्री ने कहा, "जब ऊर्जा की बात आती है, तो आर्थिक वृद्धि और ऊर्जा के बीच संबंध बहुत महत्वपूर्ण है। अब हम 4,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के करीब हैं लेकिन तथ्य यह है कि हमें अपनी आबादी के एक बड़े हिस्से का ख्याल रखने की जरूरत है।"

कच्चे तेल की जरूरतों का बड़ा हिस्सा करते हैं आयात

पुरी ने कहा, "घरेलू बाध्यताओं का ध्यान रखे बिना परिवर्तन की आवश्यकता के बारे में सिद्धांत बनाना एक बात है। जहां तक भारत का सवाल है, उपलब्धता और ऊर्जा संसाधन महत्वपूर्ण हैं क्योंकि हम अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा आयात करते हैं।"

भारत भी कर रहा संकटों का सामना

केंद्रीय मंत्री ने कहा, "दुनिया जिन विभिन्न संकट का सामना कर रही है, उसे देखते हुए भारत में जिस तरीके से लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार है, उसे यह भी ध्यान रखना होगा, चीजें किफायती हों। उसके बाद पर्यावरण आता है और हम उसके लिए भी पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।"

ऊर्जा बदलाव पर 2030 तक सभी लक्ष्य पूरे करेंगे

पुरी ने कहा , 'मुझे विश्वास है कि ऊर्जा बदलाव पर 2030 के लिए हमारे सभी लक्ष्यों को हम पूरा करेंगे। हमारी हरित हाइड्रोजन नीति व्यापक तौर पर सफल होगी।' पुरी ने कहा, हम विमानन ईंधन पर अपने लक्ष्यों को पूरा करने की राह पर हैं। भारत आज जैव ईंधन मिश्रण के लिए एक शानदार क्षमता पेश कर रहा है।

जल्द 19 शहरों में सीधे मोबाइल पर प्रसारण का परीक्षण : चंद्रा

बिना सिम या इंटरनेट के वीडियो स्ट्रीम कर सकेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

'डायरेक्ट-टू-मोबाइल' (सीधे मोबाइल तक) प्रसारण जल्द ही एक वास्तविकता बन सकता है। इसमें मोबाइल उपयोगकर्ता बिना सिम कार्ड या इंटरनेट कनेक्शन के वीडियो स्ट्रीम कर सकेंगे। सूचना एवं प्रसारण सचिव अपूर्व चंद्रा ने एक प्रसारण सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि घरेलू डायरेक्ट-टू-मोबाइल (डी2एम) प्रौद्योगिकी का परीक्षण जल्द ही 19 शहरों में किया जाएगा और इस उभरती प्रौद्योगिकी के लिए 470-582 मेगाहट्‌र्ज स्पेक्ट्रम आरक्षित करने की जोरदार वकालत की जाएगी। चंद्रा ने कहा कि वीडियो ट्रैफिक का 25-30 प्रतिशत डी2एम में स्थानांतरित होने से 5जी नेटवर्क की भीड़ कम हो जाएगी, जिससे देश में डिजिटल बदलाव में तेजी आएगी। पिछले साल डी2एम तकनीक का परीक्षण करने के लिए परीक्षण (पायलट) परियोजना बेंगलुरु, कर्तव्य पथ और नोएडा में चलाई गई थी। चंद्रा ने कहा कि डी2एम तकनीक देश भर में लगभग 8-9 करोड़ /"टीवी डार्क/" घरों तक पहुंचने में मदद करेगी। देश के 28 करोड़ घरों में से केवल 19 करोड़ के पास टेलीविजन सेट हैं। उन्होंने कहा कि देश में 80 करोड़ स्मार्टफोन हैं और उपयोगकर्ताओं तक पहुंच वाली 69 प्रतिशत सामग्री वीडियो प्रारूप में है।

- प्रौद्योगिकी के लिए 470-582 मेगाहट्‌र्ज स्पेक्ट्रम आरक्षित

सांख्य लैब्स व आईआईटी ने विकसित की तकनीक

सांख्य लैब्स और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर द्वारा विकसित डी2एम प्रसारण तकनीक वीडियो, ऑडियो और डेटा सिग्नल को सीधे संगत मोबाइल और स्मार्ट उपकरणों पर प्रसारित करने के लिए स्थलीय दूरसंचार बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक प्रसारक द्वारा निर्दिष्ट स्पेक्ट्रम का उपयोग करती है।

एथनॉल के लिए भारत की ब्राजील के साथ बातचीत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कार्बन उत्सर्जन में कटौती के लिए वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देने के प्रयास के बीच भारत एथनॉल का इस्तेमाल बढ़ाने के मकसद से तकनीकी साझेदारी के लिए ब्राजील के साथ बातचीत कर रहा है।

केंद्रीय मंत्री वी के सिंह ने मंगलवार को कहा कि ब्राजील लंबे समय से वाहनों में एथनॉल का उपयोग कर रहा है और इस दक्षिण अमेरिकी राष्ट्र से बहुत कुछ सीखना बाकी है। सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्यमंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में 'एसोचैम-फ्यूल्स ऑफ द फ्यूचर 2.0' सम्मेलन में कहा, हम उनसे (ब्राजील) सीख सकते हैं। सिंह ने कहा कि जीवाश्म ईंधन के स्थान पर वैकल्पिक ईंधन के बारे में जागरूकता लाने की जरूरत है। गन्ने के अलावा टूटे चावल, मक्का और मकई का उपयोग करके भी एथनॉल का उत्पादन किया जा सकता है। नागर विमानन राज्यमंत्री का भी जिम्मा संभालने वाले सिंह ने कहा, टिकाऊ विमानन ईंधन पर भी जोर दिया जा रहा है और हमने इसका उड़ान पर परीक्षण किया है।

- कार्बन उत्सर्जन में कटौती व वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा दिया जा रहा

मानसिकता में बदलाव लाना होगा

आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि हम कौन सा वैकल्पिक ईंधन अपनाएं और इसको लेकर मानसिकता में कैसे बदलाव लाएं। ब्राजील के दूतावास के राजदूत केनेथ फेलिक्स हजिंस्की दा नोब्रेगा ने कहा कि भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान वैश्विक जैवईंधन गठजोड़ का शुभारंभ वास्तव में स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व प्रयास है।

सोना 100 रुपए कमजोर चांदी 300 रुपए फिसली

नई दिल्ली। कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में मंगलवार को सोने का भाव 100 रुपये की गिरावट के साथ 63,450 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 63,550 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 300 रुपये के गिरावट के साथ 76,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, 'दो दिन की बढ़त का सिलसिला टूटते

हुए दिल्ली के बाजारों में सोने की हाजिर कीमतें 100 रुपये की गिरावट के साथ 63,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रही हैं।' अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोना गिरावट के साथ 2,049 डॉलर प्रति औंस रह गया जबकि चांदी का भाव भी नुकसान के साथ 23.06 डॉलर प्रति औंस रहा।

शेयर बाजार में पांच दिन से जारी तेजी पर विराम

एजेंसी ▶▶ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को पिछले पांच कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर विराम लगा। कमजोर वैश्विक रुख के बीच आईटी तथा पेट्रोलियम कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से बीएसई सेंसेक्स में 199 अंक की गिरावट आई।

- सेंसेक्स 199 अंक टूटा

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 199.17 अंक 73,128.77 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स कमजोर खुला लेकिन बाद में इसमें तेजी आई और यह अबतक के उच्चतम स्तर

73,427.59 अंक तक पहुंच गया। एनएसई निफ्टी कारोबार के दौरान 22,124.15 के उच्चस्तर तक पहुंच गया था। हालांकि, अंत में यह 65.15 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,032.30 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी के 50 शेयरों में 33 नुकसान में जबकि 17 लाभ में रहे।

इन शेयरों में रही गिरावट

सेंसेक्स की कंपनियों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज में सर्वाधिक 2.05 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा, विप्रो, एनटीपीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, इंडसइंड बैंक, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंडसइंड बैंक, सन फार्मा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल और एसबीआई के शेयर भी नीचे आए। आईटी शेयरों में मुनाफावसूली से तेज गिरावट आई।

टाटा स्टील रहा लाभ में

दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में टाटा स्टील, टाइटन, मारुति, लार्सन एंड टुब्रो, आईटीसी और जेएसडब्ल्यू स्टील शामिल हैं। एचडीएफसी बैंक के वित्तीय परिणाम से पहले उसका शेयर 0.42 प्रतिशत चढ़ा। बैंक का तीसरी तिमाही का परिणाम बाजार बंद होने के बाद आया।

टीसीएस सभी कर्मियों को एआई कौशल में करेगा प्रशिक्षित

एजेंसी ▶▶ मुंबई

देश की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर निर्यातक कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) अपने पांच लाख से अधिक सॉफ्टवेयर इंजीनियरों के कार्यबल को जेनेरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के आगामी अवसरों के लिए प्रशिक्षित करेगी। एक वरिष्ठ

- देश की सबसे बड़ी साफ्टवेयर निर्यातक कंपनी है

अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी द्वारा हाल ही में गठित 'एआई.क्लाउड' इकाई के प्रमुख शिवा गणेशन ने बताया कि एक व्यावसायिक अवसर के रूप में जेनेरेटिव एआई अभी अपने 'शुरुआती दौर' में है और इसका इस्तेमाल अभी कम हो रहा है। अधिकारी ने बताया कि कंपनी ग्राहकों के लिए जारी काम में तेजी लाने के लिए जेन एआई से प्राप्त जानकारी का इस्तेमाल कर रही है।

पूरा संगठन एआई के लिए तैयार होगा

गणेशन ने कहा, 'कार्यबल तैयार हो रहा है। आने वाले समय में पूरा संगठन स्वयं (जेन) एआई के लिए तैयार होगा।' जेन एआई कौशल से कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने की समयसीमा पर पूछ जाने पर गणेशन ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया।

दिसंबर 2023 में दालों की महंगाई दर 20 प्रतिशत के पार रही

एक साल में 37 प्रतिशत महंगी हुई अरहर दाल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद दालों की आसमान छूती कीमतें घटने का नाम नहीं ले रही है। 12 जनवरी 2024 को खुदरा महंगाई दर का जब आंकड़ा जारी किया गया उसके मुताबिक दिसंबर 2023 में दालों और उससे जुड़े प्रोडक्ट्स की महंगाई दर 20.73 फीसदी दर्ज की गई है जबकि एक साल पहले समान अवधि दिसंबर 2022 में दालों की महंगाई दर 3.15 फीसदी रही थी। यानि एक साल में दालों की महंगाई दर में 17.58 फीसदी का उछाल आया है। केवल खुदरा महंगाई दर के आंकड़ों में ही नहीं बल्कि वाणिज्य मंत्रालय ने दिसंबर 2023 के लिए होलसेल महंगाई दर के जो आंकड़े सोमवार 15 जनवरी 2024 को जारी किए हैं उसमें भी दालों की महंगाई दर 19.60 फीसदी रही है। जबकि दिसंबर 2022 में दालों की महंगाई दर 1.48 फीसदी रही थी। जाहिर है बात चाहे खुदरा महंगाई दर के आंकड़ों की करें या फिर होलसेल महंगाई दर के आंकड़ों की, दोनों ही में दालों की महंगाई दर में जोरदार उछाल बीते एक साल में आया है।

- दालों से जुड़े प्रोडक्टस की महंगाई दर 20.73 फीसदी दर्ज

कीमतों पर नकेल कसने की कवायद

सरकार ने दालों की महंगाई पर लगाम लगाने के लिए हाल के दिनों कई फैसले लिए हैं इसके बावजूद दालों की महंगाई आम लोगों की जेब पर डाका डाल रही है। दालों की आसमान छूती कीमतों से परेशान सरकार ने पिछले महीने दिसंबर 2023 में अरहर दाल और उड़द दाल के इंपोर्ट के ड्यूटी फ्री आयात की अवधि को एक साल यानि 31 मार्च 2025 तक के लिए बढ़ाने का फैसला लिया था। सरकार मसूर दाल के ड्यूटी फ्री इंपोर्ट की अवधि को भी एक साल के लिए पहले ही बढ़ा चुकी है।

1 साल में 37 फीसदी महंगा हुआ अरहर दाल

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के प्राइस मॉनिटरी डिविजन के डेटा के मुताबिक 14 जनवरी 2024 को रिटेल मार्केट में अरहर दाल का औसत मुल्य 151.88 रुपये किलो था जो एक साल पहले जनवरी 2023 में 110.83 रुपये प्रति किलो में मिल रहा था। यानि एक वर्ष में अरहर दाल के औसत मुल्य में 37 फीसदी का उछाल आ चुका है। उड़द दाल 122.51 रुपये प्रति किलो में मिल रहा था जो बीते साल पहले 106.41 रुपये प्रति किलो में मिल रहा था। एक साल में उड़द दाल की कीमतों में 15.13 फीसदी का उछाल आ चुका है। बात करें मूंग दाल की तो अभी मंगू दाल 115.87 रुपये प्रति किलो में रिटेल मार्केट में मिल रहा है।

बिजनेस साइट

डॉ. सुनील कालड़ा ने आग से झुलसी महिला को दिया नया जीवनदान

रायपुर। पचपेढ़ी नाका स्थित कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी सेंटर में आग से झुलसी महिला को नया जीवनदान मिला है। दरअसल, 18 अक्टूबर 2023 को शहडोल निवासी शैलजा शुक्ला(38 वर्षीय) के कपड़ों में घरेलू कार्य करते वक्त आग लग गई थी। जैसे ही शरीर में आग लगी तो उसे पास के अस्पताल में ले गए व बाद में बिलासपुर में प्राइमरी इलाज किया गया। मगर मरीज में कोई सुधार नहीं दिखा और मरीज की हालत और खराब होते चली गई। मरीज की तबीयत खराब होता देख परिजनों ने मरीज को कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर में लाया एवं उसका गहन इलाज किया गया। प्रसिद्ध कॉस्मेटिक व रिकन्स्ट्रटीव सर्जन

डॉ. सुनील कालड़ा ने बताया कि शैलजा का करीब 2-3 माह तक इलाज चला उसके बाद स्वस्थ होकर सकुशल आज घर जा रही है। उसका बेहतर इलाज कर उसे नई जिंदगी दी। शैलजा लगभग 55 से 60 प्रतिशत तक जल गई थी। बचने की उम्मीद कम हो गई थी। मगर सुपर बर्न आईसीयू में रखकर रोज ड्रेसिंग किया गया।

श्री बालाजी हॉस्पिटल में स्त्री रोग से जुड़ी सभी सर्जरी निःशुल्क

रायपुर। मोवा स्थित श्री बालाजी हॉस्पिटल में 27 और 28 जनवरी को सीजी गाइनेई एंडोकॉन 2024 आयोजित किया जा रहा है। इसमें देश-विदेश के मशहूर स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर शामिल होंगे। इसमें महिलाओं की स्त्री रोग से जुड़ी तमाम प्रकार की बीमारियों की सर्जरी निःशुल्क की जाएगी। श्री बालाजी हॉस्पिटल के स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ नीरजा अग्रवाल ने बताया कि इसमें गर्भाशय, फाइब्रॉएड, ओवेरियन सिस्ट समेत अन्य की सर्जरी की जाएंगी। इसके लिए 15 जनवरी से 20 जनवरी तक निःशुल्क ओपीडी कैंप आयोजित है। जिसमें जांच में 50 प्रतिशत की छूट मरीजों को दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मेडिकली फीट होने के बाद ही सर्जरी के लिए मरीजों का चयन किया जाएगा। इस दौरान अस्पताल में मरीजों से किसी भी प्रकार का कोई भी चार्ज नहीं लिया जाएगा। बता दें कि श्री बालाजी हॉस्पिटल प्रदेश का एक मात्र ऐसा अस्पताल है, जहां नार्मल और सीजेरियन डिलीवरी का कोई भी शुल्क गर्भवती या उनके परिवार से नहीं लिया जाता है। अस्पताल में नार्मल डिलीवरी और ऑपरेशन डिलीवरी के 5 दिन तक का पूरा इलाज निःशुल्क है, यहां तक कि उन्हें दवाई का भी कोई चार्ज नहीं लगता है।

सुमित नागल उलटफेर कर पहली बार आस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में

मेलबर्न (भाषा)। भारत के सुमित नागल ने दुनिया के 27वें नंबर के खिलाड़ी कजाकिस्तान के अलेक्जेंडर बुबलिक को सीधे सेटों में हराकर अपने कॅरियर में पहली बार आस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। डेविस कप खेलने से इनकार के कारण एआईटीए से क्षेत्रीय वाइल्डकार्ड पाने से वंचित रहे 26 वर्ष के नागल क्वालीफायर के रास्ते मुख्य ड्रॉ में पहुंचे हैं। उन्होंने 31वीं वरीयता प्राप्त बुबलिक को दो घंटे 38 मिनट तक चले मैच में 6-4, 6-2, 7-6 से मात दी।

वहीं भारत के युकी भांबरी और नीदरलैंड के रॉबिन हासे की जोड़ी पुरुष युगल के पहले दौर में कोलंबिया के निकोलस बेरियेंतोस और ब्राजील के रफाएल मातोस के हाथो हारकर बाहर हो गई। युकी और हासे की गैर वरीय जोड़ी को करीब ढाई घंटे तक चले पहले दौर के मैच में 6-1, 6-7, 6-7 से पराजय झेलनी पड़ी।

आस्ट्रेलियन ओपन

- दुनिया के 27वें नंबर के खिलाड़ी अलेक्जेंडर बुबलिक को 6-4, 6-2, 7-6 हराया
- अब सामना चीन के जुंचेंग शांग से
- युकी-हासे की जोड़ी पुरुष युगल के पहले दौर में हारी

नागल आस्ट्रेलियन ओपन में पहली बार दूसरे दौर तक पहुंचे हैं। वह 2021 में पहले दौर में लिथुआनिया के रिकार्डास बेरांकिस से 2-6, 5-7, 3-6 से हार गए थे। विश्व रैंकिंग में 137वें स्थान पर काबिज नागल अपने कॅरियर में दूसरी बार किसी ग्रैंड स्लैम का दूसरा दौर खेलेंगे। वह 2020 यूएस ओपन के दूसरे दौर में डोमिनिक थिएम से हारे थे जो बाद में चैंपियन बने।

नागल की जीत के साथ ही 35 साल में पहली बार किसी भारतीय ने ग्रैंड स्लैम एकल में किसी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराया है। आखिरी बार 1989 में रमेश कृष्णन ने मैट विलांडर को मात दी थी जो उस समय दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और आस्ट्रेलियन ओपन में मौजूदा चैंपियन थे। अब नागल का सामना चीन के जुंचेंग शांग से होगा जो विश्व रैंकिंग में 140वें स्थान पर है। दूसरे दौर में जीतने पर उनकी टक्कर दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अलकाराज से हो सकती है।

नागल को पहले दौर की जीत के साथ 120000 आस्ट्रेलियन डॉलर मिलेंगे जबकि क्वालीफाइंग चरण में तीन जीत के 65000 आस्ट्रेलियन डॉलर के भी वह हकदार बने। उन्होंने 2023 सत्र के आखिर में कहा था कि उनकी जेब में बस 900 यूरो बचे हैं लेकिन अब करीब एक करोड़ रुपए ईनामी राशि सुनिश्चित होने पर उनका बोझ कुछ कम होगा।

मैच में नागल की शुरुआत शानदार रही और पहले ही गेम में उन्होंने बुबलिक की सर्विस तोड़ी लेकिन अपनी सर्विस भी बरकरार नहीं रख सके। उन्होंने फिर बुबलिक की सर्विस तोड़कर पहला सेट 42 मिनट में जीत लिया। दूसरे सेट में उन्होंने बेहतर प्रदर्शन करते हुए बुबलिक की सर्विस दो बार तोड़ी और अपनी बढ़त बरकरार रखकर 43 मिनट में जीत दर्ज की। तीसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों ने सातवें गेम तक अपनी सर्विस टूटने नहीं दी।

इसके बाद नागल ने सर्विस तोड़कर 4-3 की बढ़त बनाई और यह 5-3 कर दी। यह सेट टाइब्रेकर तक खिंचा जिसमें नागल 7-5 से विजयी रहे। नागल टूर्नामेंट के क्वालीफाइंग फाइनल में स्लोवाकिया के एलेक्स मोलकान को 6-4, 6-4 से हराकर मुख्य ड्रॉ में पहुंचे थे।

मेलबर्न : अलेक्जेंडर बुबलिक पर जीत दर्ज करने के बाद खुशी जताते सुमित नागल।

अल्कराज व ज्वेरेव जीते, स्वियातेक ने केनिन को हराया

मेलबर्न (एपी)। कार्लोस अल्कराज ने पहले सेट में कड़ा संघर्ष करने के बाद मंगलवार को 37 साल के खिलाड़ी रिचर्ड गास्केट को सीधे सेटों में हराकर आस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया। जबकि ओलंपिक टेनिस चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहले दौर का मुकाबला जीता। छठी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव ने जर्मनी के डोमिनिक कोफेर को 4-6, 6-3, 7-6, 6-3 से मात दी।

पहला सेट एक घंटे और 12 मिनट तक चला जिसे अल्कराज ने टाइब्रेकर में जीता, लेकिन इसके बाद अगले दो सेट जीतने में उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई। अल्कराज ने यह मैच 7-6 (5), 6-1, 6-2 से जीता। उनका अगला मुकाबला लोरेंजो सोनेगो से होगा, जिन्होंने डैन इवांस को 4-6, 7-6 (8), 6-2, 7-6 (4) से हराया। अल्कराज दाहिने पांव की चोट के कारण पिछले साल इस टूर्नामेंट में नहीं खेल पाए थे।

महिला वर्ग में शीर्ष रैंकिंग वाली इगा स्वियातेक ने पूर्व चैंपियन सोफिया केनिन को 7-6, 6-2 से हराया। यहां चार बरस पहले खिताब जीत चुकी केनिन ने पहले सेट में कड़ी चुनौती दी लेकिन स्वियातेक ने टाइब्रेकर में जीत दर्ज की। दूसरे सेट के पांचवें गेम में केनिन की सर्विस तोड़कर उन्होंने जीत दर्ज की।

महिला वर्ग में पोलैंड की स्वियातेक ने पांच ग्रैंडस्लैम जीते हैं लेकिन आस्ट्रेलियन ओपन खिताब अपने नाम नहीं कर सकी हैं। अब उनका सामना 2022 की उपविजेता डेनियेले कोलिंस से होगा जिन्होंने 2016 की चैंपियन एंजेलिक कर्बर को 6-2, 3-6, 6-1 से हराया। कर्बर उन तीन पूर्व चैंपियन में से हैं जो मां बनने के बाद वापसी कर रही हैं।

इगा स्वियातेक

इनमें से एक चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका पहले ही दौर में हारकर बाहर हो गई। वहीं 2018 की चैंपियन कैरोलिन वोज्नियाकी दूसरे दौर में पहुंच गई हैं। पिछले साल की उपविजेता एलेना रिबाकिना भी अगले दौर में पहुंच गई जिन्होंने दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी कैरोलिना प्लिसकोवा को 7-6, 6-4 से हराया। 2012 और 2013 में खिताब जीत चुकी विक्टोरिया अजारेंका ने इटली की कामिला जियोर्जी को 6-1, 4-6, 6-3 से मात दी। पुरुष वर्ग में 11वीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड ने अलबर्ट रामोस विनोलास को 6-1, 6-3, 6-1 से हराया। वहीं कैमरन नॉरी ने जुआन पाब्लो वारिलास को 6-4, 6-4, 6-2 से मात दी। ग्रिगोर दिमित्रोव ने मर्टेन फुक्सोविक्स को 4-6, 6-3, 7-6, 6-2 से परास्त किया।

संक्षिप्त खबरें

नाडा ने 11 खिलाड़ियों का डोपिंग प्रतिबंध घटाया

नई दिल्ली। पिछले साल गोवा राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने वाले तीन एथलीट उन 11 खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें 20 दिन के अंदर डोपिंग आरोप स्वीकार करने का फायदा मिला है और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने उनका प्रतिबंध घटाकर तीन साल कर दिया है। इन खिलाड़ियों में ट्रैक एवं फील्ड के तीन एथलीट कमलजीत कौर (100 मीटर और 200 मीटर), अजय कुमार (5000 मीटर और 10000 मीटर) और हरजोधवीर सिंह (5000 मीटर और 10000 मीटर) भी शामिल हैं, जिन्होंने 25 अक्टूबर से 9 नवंबर तक गोवा में राष्ट्रीय खेलों में हिस्सा लिया था। राष्ट्रीय खेलों के दौरान विभिन्न खेलों के कुल 20 खिलाड़ियों को डोपिंग का दोषी पाया गया था। नाडा ने अपनी नवीनतम सूची में उन खिलाड़ियों के नाम दिए हैं जिनका प्रतिबंध घटाकर तीन साल कर दिया गया है। डोपिंग के दोषी पाए गए खिलाड़ियों पर अमूमन चार साल का प्रतिबंध लगाया जाता है।

तमिल थलाइवाज की पटना पाइरेट्स पर बड़ी जीत

जयपुर। तमिल थलाइवाज ने शानदार खेल का नजारा पेश करके प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) में मंगलवार को पटना पाइरेट्स को 41-25 से करारी शिकस्त दी। इस जीत से तमिलनाडु की फ्रेंचाइजी 12 टीम की तालिका में 10वें स्थान पर पहुंच गई है। पटना पाइरेट्स की टीम पहले की तरह दूसरे स्थान पर है। थलाइवाज की तरफ से अजिंक्या पवार ने बेहतरीन खेल दिखाया और 10 अंक जुटाए। उनके अलावा नरेंदर ने छह अंक का योगदान दिया। थलाइवाज की टीम मध्यांतर तक 20-11 से आगे थी। उसने दूसरे हाफ में शुरू से ही शानदार खेल दिखाया तथा जल्द ही स्कोर 25-11 कर दिया। इसके बाद भी उसने दबदबा बनाए रखकर बड़ी जीत हासिल की।

आईसीसी ने नासिर हुसैन पर दो साल का बैन लगाया

दुबई। बांग्लादेश के ऑलराउंडर नासिर हुसैन को अमीरात क्रिकेट बोर्ड कि भ्रष्टाचार रोधी संहिता के तीन आरोपों को स्वीकार करने के बाद मंगलवार को दो साल के लिए सभी तरह की क्रिकेट से प्रतिबंधित कर दिया गया जिसे छह महीने का निलंबित प्रतिबंध भी शामिल है। आईसीसी ने अमीरात क्रिकेट बोर्ड की संहिता के तहत नामित भ्रष्टाचार विरोधी अधिकारी के रूप में हुसैन पर सितंबर 2023 में आरोप लगाए थे। इस क्रिकेटर ने इनमें से तीन आरोप स्वीकार किए थे। आईसीसी के अनुसार हुसैन ने उन्हें मिले उपहार का खुलासा नहीं किया था।

बॉस्को अकादमी ने वेंकटेश्वर को हराया

नई दिल्ली। इशाक पाठक के चार विकेट और पार्थ डबास की 71 रन की नाबाद पारी की बदौलत बॉस्को क्रिकेट अकादमी ने मन्नत खन्ना मेमोरियल अंडर-14 क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग वेंकटेश्वर क्रिकेट अकादमी को चार विकेट से पराजित कर दिया। बॉस्को क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट के नुकसान पर 167 रन बनाए। जवाब में वेंकटेश्वर क्रिकेट अकादमी की टीम नौ विकेट पर 161 ही बना सकी।

अफगानिस्तान का सफाया करने उतरेगा भारत

बेंगलुरू (भाषा)। सीरीज जीत चुकी भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ बुधवार को तीसरे और आखिरी टी-20 मैच में इस लय को बरकरार रखते हुए 'क्लीन स्वीप' के इरादे से उतरेगी और कप्तान रोहित शर्मा के फॉर्म में लौटने की भी उम्मीद कर रही होगी। जून में होने वाले विश्व कप से पहले यह भारत का आखिरी टी-20 मैच है।

मोहाली और इंदौर में मिली जीत के बाद टीम प्रबंधन कोई कोताही बरतना नहीं चाहेगा। दोनों मैचों में छह विकेट से मिली जीत में पहली ही गेंद से आक्रमण की भारत की रणनीति अहम रही। भारत ने पहले मैच में 159 रन का लक्ष्य 17.3 ओवर में और दूसरे में 173 रन का लक्ष्य 15.4 ओवर में हासिल कर लिया।

इससे पहले टी-20 में भारतीय टीम शुरू में सावधानी से खेलकर आखिरी ओवरों में हाथ खोलने की रणनीति अपनाती आई है। लेकिन अब बल्लेबाज पहली गेंद से ही आक्रामक खेल रहे हैं और शिवम दुबे तथा विराट कोहली ने इसकी बानगी पेश की। करीब 14 महीने बाद पहला टी-20 खेल रहे कोहली ने इंदौर में 16 गेंद में 29 रन बनाए। उन्होंने अफगानिस्तान के स्पिनर मुजीबुर रहमान का बखूबी सामना किया और उनकी सात गेंदों में 18 रन बनाए।

आम तौर पर कोहली स्पिनरों के खिलाफ धीमा खेलते हैं लेकिन इस मैच में उलटा देखने को मिला। वहीं दुबे पिछले साल डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए तीन साल बाद भारतीय टीम में लौटे। उसके बाद उन्होंने एशियाई खेलों में भाग लिया लेकिन आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम में जगह नहीं मिली।

तीसरा टी-20 आज

- मैच भारतीय समयानुसार आज शाम 7 बजे से

अपने स्टार स्पिनर राशिद खान के बिना खेल रही अफगानिस्तान के खिलाफ उन्होंने दो आक्रामक अर्धशतक लगाए। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने भी अर्धशतक जड़ा। भारत की नजरें इन दोनों युवाओं पर फिर रहेंगी। कप्तान रोहित का बल्ला अभी तक नहीं चला है। पहले मैच में शुभमन गिल के साथ गलतफहमी होने पर वह रन आउट हो गए जबकि दूसरे मैच में फजलहक फारूकी की गेंद को भांप नहीं सके और सस्ते में विकेट गंवा दिया।

दो मैचों में दो ही रन बना सके रोहित के फॉर्म से टीम प्रबंधन चिंतित नहीं होगा लेकिन आखिरी मैच में उनसे बड़ी पारी की उम्मीद जरूर होगी। इस मैच में बल्लेबाजी क्रम में भले ही बदलाव नहीं किया जाए लेकिन कुलदीप यादव और आवेश खान को मौका मिल सकता है। कुलदीप को रवि बिश्नोई या वॉशिंगटन सुंदर की जगह और आवेश को मुकेश कुमार की जगह उतारा जा सकता है।

विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा रायपुर में पिछले साल आस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे मैच के बाद से टी-20 खेल रहे हैं। उन्हें आराम देने का विचार होने पर संजू सैमसन को उतारा जा सकता है। दूसरी ओर अफगानिस्तान को सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी जो दोनों मैचों में नाकाम रहे हैं।

बेंगलुरू : अभ्यास सत्र के दौरान वार्मअप करते विराट कोहली साथ में हैं ऋषभ पंत।

ऋषभ पंत ने 20 मिनट बल्लेबाजी अभ्यास किया

बेंगलुरू (भाषा)। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने मंगलवार को चिन्नास्वामी स्टेडियम की नेट्स पर 20 मिनट तक बल्लेबाजी का अभ्यास करके अपनी बेहतर फिटनेस का एक और संकेत दिया। भारतीय टीम के अभ्यास के लिए पहुंचने से पहले ऋषभ ने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के स्टाफ की थ्रोडाउन पर बल्लेबाजी की। उन्होंने ऑफ साइड में कुछ अच्छे ड्राइव लगाए तथा कुछ गेंद ऑन साइड में भी खेली। उन्होंने भारतीय टीम के 'साइड आर्म' विशेषज्ञ रघु से भी बात की और फिर भारतीय टीम के खिलाड़ियों विराट कोहली, रिंकू सिंह और अन्य से बातचीत की। ऋषभ दिसम्बर 2022 में कार दुर्घटना में घायल होने के बाद अब एनसीए में फिटनेस हासिल कर रहे हैं।

मेसी टाइब्रेकर में हालैंड को हरा सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर बने

लंदन (एपी)। अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी ने अर्लिंग हालैंड को टाइब्रेकर में हराकर फीफा के सर्वश्रेष्ठ पुरुष फुटबॉलर का पुरस्कार जीता। राष्ट्रीय टीम के कोचों, कप्तानों, चुनिंदा पत्रकारों और प्रशंसकों द्वारा ऑनलाइन की गई वोटिंग के आधार पर मेसी और हालैंड दोनों को 48 अंक मिले।

फीफा पुरस्कार

टाइब्रेकर में फैसला राष्ट्रीय टीमों के कप्तानों द्वारा '5 प्वाइंट ' स्कोर या पहले स्थान पर रखे जाने के आधार पर किया गया। मेसी को 15 साल में आठवीं बार यह पुरस्कार मिला है। काइलियान एमबाप्पे तीसरे स्थान पर रहे। कोई भी खिलाड़ी पुरस्कार लेने नहीं पहुंचा था।

पेरिस सेंट जर्मेन छोड़कर इंटर मियामी से जुड़े मेसी ने पिछले साल अक्टूबर में हालैंड और एमबाप्पे को हराकर आठवीं बार बलोन डिओर पुरस्कार जीता था। महिला वर्ग में स्पेन की विश्व कप चैंपियन ऐताना बोनमाती को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने पिछले साल बलोन डिओर भी जीता था। वह विश्व कप और चैंपियंस लीग दोनों में प्लेयर आफ द टूर्नामेंट रही थीं। मैनचेस्टर युनाइटेड के कोच पेप गार्डियोला को पुरुष वर्ग में सर्वश्रेष्ठ कोच और इंग्लैंड की सरीना वीगमैन को महिला वर्ग में सर्वश्रेष्ठ कोच का पुरस्कार मिला।

वायुसेना हारी, सीआइएसएफ की बड़ी जीत

नई दिल्ली। डीएसए प्रीमियर लीग में खेले गए मैचों में आज अंबेडकर स्टेडियम पर अहबाब एफसी ने भारतीय वायुसेना को 2-1 से जबकि सीआईएसएफ प्रोटेक्टर्स ने रेंजर्स स्पोर्ट्स क्लब को 4-0 से परास्त किया। प्रोटेक्टर्स के पवन प्रताप सिंह, और शहजाद खान, भोला सिंह और और मोहम्मद नौमान ने सीआईएसएफ के गोल जमाए। रेंजर्स ने थोड़ा बहुत संघर्ष किया लेकिन गोल कीपर गोपाल सिंह के आत्मघाति फैसले भारी पड़े। कम से कम दो गोल बचाए जा सकते थे।

डीएसए प्रीमियर लीग

अंक तालिका में नीचे के पायदान से बचने के लिए संघर्ष कर रहे अहबाब क्लब ने वायुसेना की कमजोरी का भरपूर फायदा उठाया और पहले हाफ में दो गोलों की बढ़त बना ली। कालीचरण और लालछहिमा ने अहबाब के लिए गोल जमाए। वायुसेना ने जैसे तैसे जिनीश के गोल से बढ़त कम की। आज की पराजय के साथ वायुसेना खिताबी दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी है। वायु सैनिक खिलाड़ियों का लगातार गिरता प्रदर्शन टीम प्रबंधन के लिए चिंता का विषय अवश्य होगा।

उदिता के दो गोल से भारत सेमीफाइनल में

रांची (भाषा)। उदिता दुहान ने अपने 100वें अंतरराष्ट्रीय मैच में दो गोल दागे जिससे भारत ने मंगलवार को इटली को 5-1 से करारी शिकस्त देकर एफआईएच महिला ओलंपिक क्वालीफायर के सेमीफाइनल में जगह बनाकर पेरिस के लिए टिकट कटाने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। भारत की तरफ से उदिता (पहले और 55वें मिनट), दीपिका (41वें), सलीमा टेटे (45वें) और नवनीत कौर (53वें) ने गोल किए। इटली की तरफ से एकमात्र गोल मचिन कामिला ने 60वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर किया।

भारतीय टीम इस तरह से पूल बी में दो जीत से छह अंक लेकर अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर रही। अमेरिका ने अपने तीनों में जीते। भारत बृहस्पतिवारर को होने वाले सेमीफाइनल में पूल ए से शीर्ष पर रहे जर्मनी का सामना करेगा जबकि अमेरिका का सामना जापान से होगा। प्रतियोगिता में चोटी पर रहने वाली तीन टीम पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगी।

महिला हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर

- सेमीफाइनल में भारत का सामना जर्मनी जबकि अमेरिका से भिड़ेगा जापान
- मेजबान ने न्यूजीलैंड को 5-1 से पराजित किया
- अमेरिका ने न्यूजीलैंड को 1-0 से हराया
- जापान ने चिली को 2-0 से किया पराजित
- जर्मनी ने चेक गणराज्य को 10-0 से रौंदा

अमेरिका से पहले मैच में हारने के बाद भारतीय टीम ने एक बार फिर अच्छा प्रदर्शन किया तथा मैच में शुरू से लेकर आखिर तक नियंत्रण बनाए रखा। पिछले मैच की तरह भारतीय टीम ने इस बार भी अच्छी शुरुआत की और पहले मिनट में ही बढत हासिल कर ली। भारत को पहले मिनट में ही पेनल्टी कार्नर मिला जिसे उदिता ने गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की। इटली को पहला क्वार्टर समाप्त होने से कुछ देर पहले पेनल्टी कार्नर मिला लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया।

भारत को दूसरे क्वार्टर के दूसरे मिनट में दूसरा पेनाल्टी कार्नर मिला लेकिन इस बार उदिता इटली की रक्षा पंक्ति को नहीं भेद पाई। भारतीय रक्षा पंक्ति ने भी अच्छा प्रदर्शन किया और इटली के हर प्रयास को नाकाम किया। मध्यांतर तक भारत 1-0 से आगे था। भारतीय टीम ने इसके बाद भी दबाव बनाए रखा और जल्द ही उसे तीसरा पेनल्टी कॉर्नर मिल गया लेकिन मोनिका सलीमा टेटे के पुश को रोकने में नाकाम रही।

इटली की गोलकीपर कारुसो की गलती के कारण भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिस पर दीपिका ने गोल करके स्कोर 2-0 कर दिया। सलीमा ने तीसरा क्वार्टर समाप्त होने से ठीक पहले मैदानी गोल करके भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। नवनीत कौर ने अंतिम हूटर बजने से सात मिनट पहले भारत की तरफ से चौथा गोल किया जबकि इसके दो मिनट बाद उदिता ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया।

रांची : इटली पर जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह पक्की करने पर दर्शकों का अभिवादन करतीं भारतीय खिलाड़ी।

नई दिल्ली : लक्ष्य सेन पर जीत दर्ज करने के दौरान रिटर्न लगाते प्रियांशु राजावत।

प्रियांशु ने लक्ष्य सेन को किया बाहर, प्रणय जीते

नई दिल्ली। उभरते बैडमिंटन खिलाड़ी प्रियांशु राजावत ने मंगलवार को इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में एक गेम से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए कॉमनवेल्थ गेम्स के स्वर्ण पदक विजेता हमवतन लक्ष्य सेन को हरा कर बाहर का रास्ता दिखाया। वहीं एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय ने चीनी ताइपे के चाउ टीएन चेन को सीधे गेम में हरा दिया।

प्रियांशु ने पहला गेम गंवाने के बाद पूर्व चैंपियन लक्ष्य को एक घंटा और 15 मिनट चले मुकाबले में 16-21, 21-16 21-13 से हराया। उनका अगले दौर में हमवतन और दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय से मुकाबला होगा। प्रणय ने दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी चीनी ताइपे के टिएन चेन चाउ को 42 मिनट में 21-6, 21-19 से हराया। टिएन के खिलाफ प्रणय की 13 मैच में छठी जीत है।

पूर्व चैंपियन लक्ष्य सेन और प्रियांशु के बीच शुरुआत से ही प्रत्येक अंक के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिली। जूनियर बैडमिंटन के दिनों से ही एक-दूसरे के खिलाफ खेल रहे ये खिलाड़ी एक-दूसरे की कमजोरियों और मजबूत पक्षों से अच्छी तरह वाकिफ थे। लक्ष्य ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने अनुभव की बदौलत शुरुआत में बढ़त हासिल की लेकिन प्रियांशु बार-बार बराबरी हासिल करने में सफल रहे। लक्ष्य ब्रेक तक 11-10 के बढ़त बनाने में सफल रहे।

इंडिया ओपन बैडमिंटन

लक्ष्य सेन ने अपने दमदार स्मैश का नजारा पेश करते हुए लगातार चार अंक के साथ 17-14 की बढ़त बनाई और दिखाया कि अंतरराष्ट्रीय सर्किट में आखिर क्यों उन्हें शीर्ष खिलाड़ियों में आंका जाता है। प्रियांशु ने 15-19 के स्कोर पर बाहर शॉट मारकर लक्ष्य को पांच गेम प्वाइंट दिए। प्रियांशु ने एक गेम प्वाइंट बचाया लेकिन फिर नेट पर शॉट मार बैठे जिससे 0-1 से पिछड़ गए।

दूसरे गेम में प्रियांशु अधिक आक्रामक दिखे। उन्होंने 3-0 की बढ़त बनाई। लक्ष्य उनकी तेजी के आगे बेबस नजर आ रहे थे और रक्षात्मक होकर खेलते नजर आए। प्रियांशु ने 5-3 के स्कोर पर लगातार चार अंक के साथ 9-3 की बढ़त बनाई। वह ब्रेक तक 11-5 से आगे थे और फिर इस बढ़त को बरकरार रखते हुए गेम 21-16 से जीतकर स्कोर 1-1 किया। तीसरे और निर्णायक गेम में प्रियांशु ने शुरुआत से ही बढ़कर बनाए रखी और आसानी से गेम जीतकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

पुरुष एकल में किरण जॉर्ज को चीनी ताइपे के सू ली यैंग ने 23-21,21-18 से हराया। महिला युगल में त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की दुनिया की 22वें नंबर की भारतीय जोड़ी को नामी मात्सुयामा और चिहारू शिदा की जापान की चौथी वरीय जोड़ी के खिलाफ पहले गेम जीतने के बावजूद 21-18, 14-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा।

पंडा बहनें रुतपर्णा और श्वेतपर्णा भी एनगा टिंग युंग और पुइ लैम युंग की हांगकांग की जोड़ी से 6-21, 7-21 से हार गई। पुरुष युगल में एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की भारतीय जोड़ी को यैंग ली और ची लिन वैंग की जोड़ी से 9-21, 13-21 से हार हार गई।

परब विशेष

डा. राघवेंद्र कुमार 'राज'

अन्नदान का लोकपर्व-छेरछेरा'

पौष शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को मनाये जाने वाला लोकपर्व 'छेरछेरा' दान लेने व देने का महापर्व है। नई फसलों की कटाई की खुशी में मनाया जाने वाला लोकपर्व -'छेरछेरा' दानलीला की अद्वितीय आख्यान है। मान्यतानुसार भगवान भोलेनाथ जी ने मां अन्नपूर्णा से भिक्षा मांगी थी। तब से यह परम्परा चली आ रही है। इस दिन दान करने से घरों में धनधान्य की कोई कमी नहीं रहती हैं। 'छेरछेरा' के दिन लोग धान के साथ साग-सब्जी और फल का दान करते हैं। इन्हीं मान्यता के कारण गुरूजी बच्चों को भिक्षाटन करवाते थे। गुरुकुल की सनातनी परम्परा भी इस महापर्व से जुड़ी हुई है। बच्चे, युवक और युवतियां 'छेरछेरा' मांगते हुए गा उठते हैं-

छेरी के छेरा, छेर मरकनीन छेरछेरा।
माई कोठी के धान ल हेरहेरा।
अरन बरन कोदो दरन।
जभे देबे तभे टरन।

एक कथानुसार राजा तुंगधज ने अभिमानवश सत्यनारायण की व्रत, पूजन, कथा व प्रसाद का तिरस्कार किया। फलतः उसे राजपाठ, धन-धान्य, पुत्र, परिवार खोना पड़ा। राजा को अनुभूति हुई-यह सब सत्यनारायण की व्रत, पूजन, और कथा की तिरस्कार का फल है। उन्होंने अपना सर्वस्व भगवान सत्यनारायण को समर्पित कर दिया। फलतः उसे धनधान्य, राजपाठ, पुत्र और परिवार की पुनः प्राप्ति हुई। वह पवित्र तिथि 'छेरछेरा' ही थी। एक और कथा के अनुसार दुरगम नामक दैत्य ने उपद्रव मचाया। फलतः सृष्टिवासियों को दुर्भिक्ष और भूख का सामना करना पड़ा। ब्रह्मा के चार वेद चुरा लिए गए। भूखे -प्यासों को नवजीवन देने और दुरगम दैत्य का विनाश करने के लिए मां शाकंभरी देवी प्रकट हुई। जिन्हें शताक्षी देवी के नाम से भी पुकारे जाते हैं। 'छेरछेरा' का पावन दिवस को शाकंभरी देवी के प्राकट्य दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। मरार जाति के श्रद्धालु भक्त गा उठते हैं-

" बेचके मुरई -भाटा हमर महतारी।
चलाए हमर सुघ्घर निस्तारी।
हवन हम तोरे अभारी हमर महतारी।
असीस देबे जनम -जनम हमर महतारी।"

पुस्तक समीक्षा

पल पल के जिनगानी

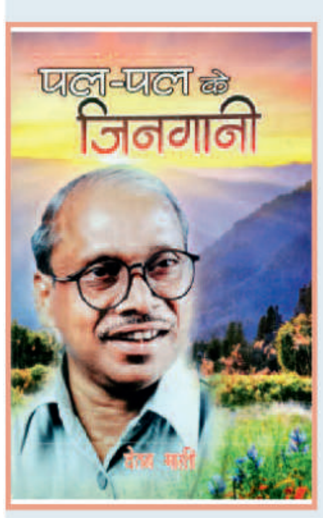

कृति के नाव
पल पल के जिनगानी
कृतिकार
चेतन भारती
प्रकाशक
सर्वप्रिय प्रकाशन दिल्ली
समीक्षक
डा. मुक्ति बैस
मूल्य
एक सौ पचास रुपए

छत्तीसगढ़ी अउ हिन्दी में सतत लेखन करने वाला कृतिकार चेतन भारती आय। आप मन बचपना ले लेखन डहान अपन पांव रखेव। लगातार साहित्य लेखकीय धरोहर मन के सानिध्य ले आप मन ल प्रोत्साहन मिलिस अउ लेखन में सुधार होवत गिस। इही उत्साह के परिनाम आय-पल पल के जिनगानी। ऐ किताब म आपके जिनगी के सबो लेखा-जोखा अठारा अध्याय म समाहित हे। बचपन से झेलत समस्या के बाद जिनगी ल कइसे सुघ्घर बनाया जाए इही ह ऐ किताब के सार हे। आप मन सामाजिक-सहित्यिक दिशा म ऐ उमर म उत्साह ले करत हो। इही सब के विस्तार ले वर्णन हमन ल ऐ किताब म देखे ल मिलत हे। जिंकर कर निराशा हे कुछु रसता नी दिखत हे वइसन मन बर ऐ किताब उपयोगी साबित होही, अउ ऊंकर जिनगी म सफलता बर कुछ न कुछ प्रेरणा अउ उत्साह जरूर मिलही।

ग्राम लिमतरा की 75 वर्षीय वयोवृद्ध लोक कलाकार चंपा बाई कोठारी ने अपनी यौना अवस्था में नाच में परी और नजरिया कलाकार के रुप में शामिल होकर छत्तीसगढ़ की सबसे पहली महिला कलाकार के रुप में प्रवेश की थी। उस समय 'चंपा बरसन' नाम से नाचा पार्टी छत्तीसगढ़ सहित पूरे भारत में लोकप्रिय रहा है। सुप्रसिद्ध रंगकर्मी पद्मश्री हबीब तनवीर ने भी चंपा बाई को दिल्ली के नाट्य में मंचीय भूमिका निभाने के लिए सहयोग लिया था।

छत्तीसगढ़ी नाचा की पहली महिला कलाकार

चम्पा बाई कोठारी

छत्तीसगढ़ में खड़ी साज से लेकर बैठकी साज नाच का विशिष्ट इतिहास रहा है। प्रारंभ में खड़ी साज नाच में पुरुष कलाकार ही महिलाओं की भूमिका 'जनाना' के रूप में किया करते थे। ग्राम लिमतरा की 75 वर्षीय वयोवृद्ध लोक कलाकार चंपा बाई कोठारी ने अपनी यौना अवस्था में नाच में परी और नजरिया कलाकार के रुप में शामिल होकर छत्तीसगढ़ की सबसे पहली महिला कलाकार के रुप में प्रवेश की थी। उस समय 'चंपा बरसन' नाम से नाचा पार्टी छत्तीसगढ़ सहित पूरे भारत में लोकप्रिय रहा है। सुप्रसिद्ध रंगकर्मी पद्मश्री हबीब तनवीर ने भी चंपा बाई को दिल्ली के नाट्य में मंचीय भूमिका निभाने के लिए सहयोग लिया था। उनकी अद्भुत और मौलिक गायन शैली व नजरिया के रुप में दर्शकों के मनमोहने से प्रभावित तनवीर ने देश के विभिन्न स्थलों पर इनका प्रदर्शन प्रभावपूर्ण ढंग से कराया। चंपा बाई ने लोक गीत-लिम अऊ आमा के छाव रे..., नंदिया के तीर मोर गांव रे...का गायन मौलिक रुप से किया था, जो उसे जमाने में ग्रामोफोन तवा रिकार्डिंग सहित आकाशवाणी रायपुर में गूंजा करता था। इन्होंने चंदैनी गोंदा के संगीत निर्देशक खुमान साव, बैतल राम साहू आदि के साथ भी मंचीय कला का प्रदर्शन किया है। 'जोकर' और 'जानना' कलाकार के रूप में 'चंपा-बरसन' की जोड़ी खूब जमती थी। इनके पति गनेश कोठारी भी जोकर बनते थे। इनके साथ भी नाचा पार्टी में दो दशकों तक नजरिया कलाकार के रुप में भूमिका निभाती रही। उस समय नाचा को जमाने यानी दर्शकों को आकर्षित करने के लिए परियां हिन्दी के गानों 'आने से उसके आए बहार','आ जा सनम मधुर चांदनी में हम', 'ये वादा न तोड़', 'ए मेरी जोहरा जबीं, तु अभी तक है हसीं और मैं जवा.', 'दिल में तूझे बिठा के', 'तेरे मन की गंगा और मेरे मन की जमुना का, बोल राधा बोल संगम? होगा? कहां' जैसे लोकप्रिय गीतों का गायन करते थे।

कला जगतः रामकुमार वर्मा

लबरा मितान, देवार झगरा गम्मत लोकप्रिय हुए थे

चंपा बाई अपने समय की बातों को उत्साहित होकर बताती हैं कि उस समय छुआछूत आदि को दूर करने के लिए सतनामी- ब्राह्मण, मोची नकल, जूता पालिश, देवार नकल, देवार झगरा, पोंगा पंडित, संतोषी माता, लबरा मितान, जैसे गम्मत लोकप्रिय हुए थे। आपको नाचा प्रदर्शन के लिए छत्तीसगढ़ के संपूर्ण क्षेत्रों सहित दिल्ली, भोपाल, नागपुर, कोलकाता, मद्रास, बंबई जैसे प्रसिद्ध मंचीय कलाओं के प्रदर्शन स्थलों पर जाने का अवसर प्राप्त हुआ है। वर्तमान में भी इनकी गायकी में वही खनक,गमक अंदाज है, जो अपने यौवना अवस्था में रहा है। अवसर मिलने पर आज भी वे अपनी गायकी व नाट्य का प्रदर्शन रुचिपूर्वक करती हैं।

गरियाबंद जिले का सबसे बड़ा जलप्रपात घड़घड़ी

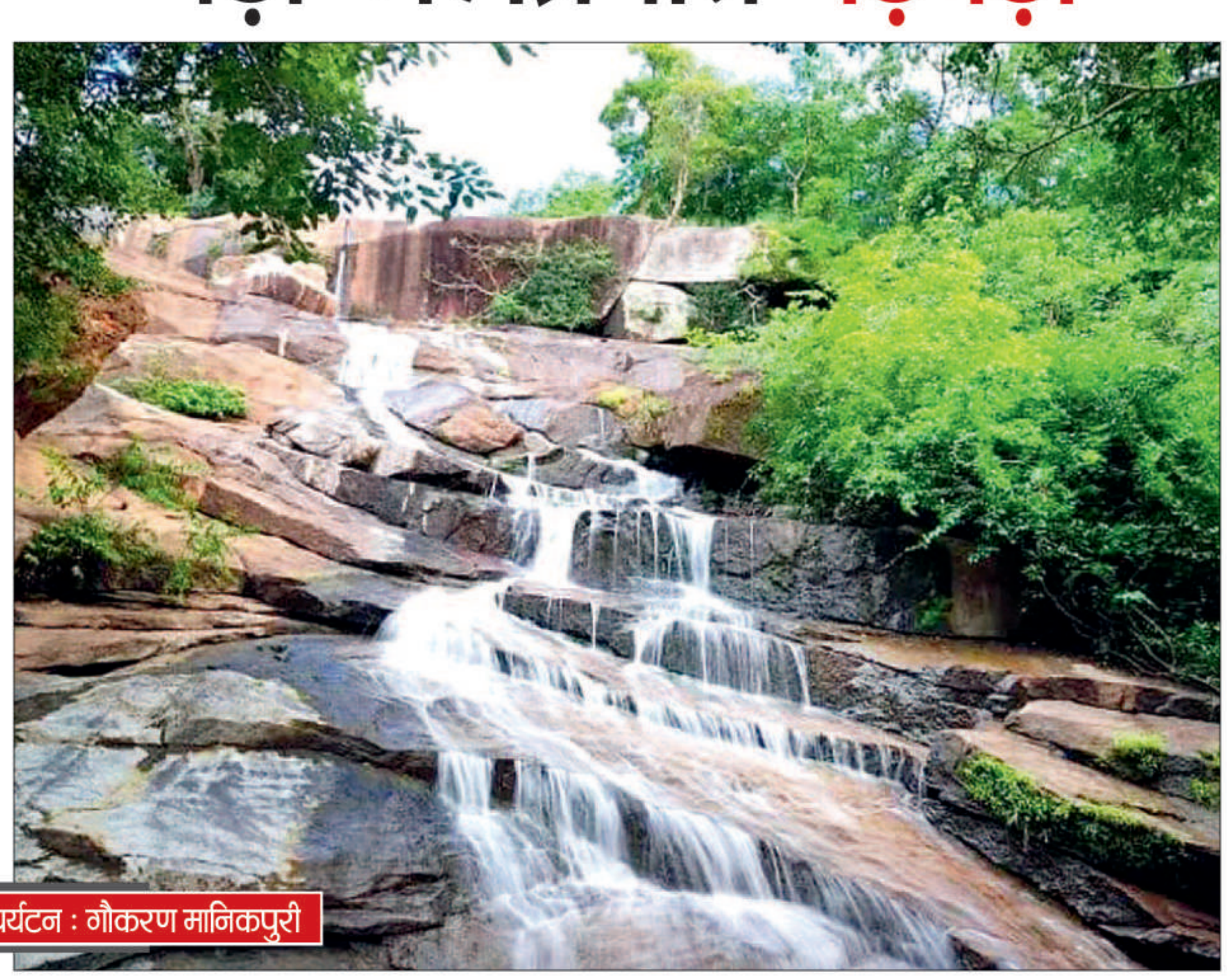

पर्यटन : गौकरण मानिकपुरी

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में भी प्राकृतिक नैसर्गिक सौंदर्य के अनेक स्थल देखे जाते हैं। इस जिले के अनेक स्थानों में वर्ष भर पर्यटक प्रकृति का आनंद लेने पहुंचते रहते हैं। इन्हीं में महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल के रूप में घड़घड़ी जलप्रपात भी शामिल हो गया है। लगभग 120 फीट ऊंचाई से गिरता यह अंचल का सबसे बड़ा जलप्रपात है। ऊंची-ऊंची चट्टानों के बीच घड़-घड़ आवाज से गिरता जलप्रपात पर्यटकों के मन को प्रफुल्लित कर देता है। जल के गिरने पर घड़-घड़ ध्वनि के कारण इस जलप्रपात का नाम घड़घड़ी रखा गया है।

माता सुबाला के आशीर्वाद से कोसल नंदनी का जन्म

ऐतिहासिकः शिव शंकर पटनायक

छत्तीसगढ़ के राजिम में श्री राजीव लोचन मंदिर का निर्माण लोमश ऋषि के मार्गदर्शन में हुआ था, क्योंकि त्रिवेणी संगम स्थल पर ही उनका आश्रम था। निर्धारित समयावधि में श्री राजीव लोचन भगवान की प्राण प्रतिष्ठा के समय कश्यप, अत्रि, भारद्वाज, शृंगी, मुचकुंद, अंगिरा, सरभंग, वशिष्ठ, विश्वामित्र, गौतम, अगस्त तथा महेंद्र गिरि से परशुराम ऋषि का आगमन हुआ था। ऋषि-मुनियों के अलावा प्रजा जन अपार संख्या में उपस्थित होकर हर्षोल्लास के साथ भगवान विष्णु, शिव शंकर के साथ महाराज भानुमंत के भी गगन भेदी जयकारा लगा रहे थे। शास्त्रोक्त विधि-विधान के अनुसार तीन दिनों तक धार्मिक अनुष्ठान चलता रहा। पांचवे दिन लोमश ऋषि ने श्री राजीव लोचन मंदिर परिसर में ही संतान कामेष्ठि यज्ञ के पुण्य प्रताप और भगवान राजीव लोचन के आशीर्वाद से माता सुबाला और कोसल नरेश महाराज भानुमंत के निराशमय जीवन में आशा की किरण बनकर कोसल नंदनी का जन्म हुआ।

लोक साहित्य

डा. व्यास नारायण दुबे

भाषा और बोली के संवाहक-सूचक

छत्तीसगढ़ के कुछ ऐसे वाचक रूप हैं जो स्थान-नामों पर आधारित हैं। जैसे छत्तीसगढ़ का बिलासपुरी वाचक रूप। अतः बिलासपुरी के लिए के लिए सूचकों का चयन बिलासपुर नगर से ही किया गया है। जहां कहीं छत्तीसगढ़ी जनभाषा की क्षेत्रीय एवं वर्गगत मातृभाषा उपलब्ध रही, वहां वहां पहुंच गया एवं सूचकों का चयन कर सामग्री संकलित की गई।

किसी भी अंचल के बोली और भाषा के जानकार सर्वेक्षक को भाषा के नमूने देता है और आवश्यकता पड़ने पर उनको दोहराता है, साथ ही पूछे जाने पर उन सभी वस्तुओं के भावों को अपनी भाषा में अभिव्यक्त करता है जिनको वह जानता है। सूचक एक प्रकार से सर्वेक्षक के सहायक, सहकर्मी तथा साथी का कार्य करता है। सूचक का चयन करते समय ध्यान रखा जाता है कि वह उस क्षेत्र का मूल निवासी हो तथा उस क्षेत्र या जाति-विशेष में व्यवहृत भातृभाषा का व्यवहार अपने दैनिक क्रियाकलापों को संपादित करने के लिए करता हो। सामग्री संकलन स्थलों से सूचकों के चयन के पूर्व ग्राम प्रमुख, स्थानीय शिक्षक एवं पोस्ट मास्टर तथा अन्य शिक्षितों को विषय की उपयोगिता बताकर उस क्षेत्र में प्रयुक्त

क्षेत्रीय भाषा के वाचक रूप के लिए उचित सूचकों के चुनाव हेतु सहयोग लिया जाता है। सूचकों को चयन करते समय सामाजिक आधार, आर्थिक आधार, लिंग, आयु, शिक्षा, धर्म आदि को आधार नहीं माना गया है। छत्तीसगढ़ के कुछ ऐसे वाचक रूप हैं जो स्थान-नामों पर आधारित हैं। जैसे छत्तीसगढ़ का बिला:पुरी वाचक रूप। अतः बिलासपुरी के लिए के लिए सूचकों का चयन बिलासपुर नगर से ही किया गया है। जहां कहीं छत्तीसगढ़ी जनभाषा की क्षेत्रीय एवं वर्गगत मातृभाषा उपलब्ध रही, वहां-वहां पहुंच गया एवं सूचकों का चयन कर सामग्री संकलित की गई। सूचकों का चयन करते समय इस बात का भी ध्यान रखा गया कि छत्तीसगढ़ी जनभाषा के क्षेत्रीय या वर्गगत वाचक रूपों के व्यवहृत होने वाले संपूर्ण क्षेत्र का प्रतिनिधित्व हो सके।

जीवन दर्शन की झलक होती हैं पं. हीराराम त्रिपाठी

सुरता

प्रो. अश्विनी केशरवानी

पं. हीराराम त्रिपाठी का जन्म 1826 को उत्तरप्रदेश के उन्नाव जिले के दुर्बन नामक ग्राम में हुआ था। आपकी जन्मभूमि भले ही उत्तर प्रदेश रही, लेकिन कर्मभूमि छत्तीसगढ़ रही। आप किसी काम के सिलसिले में बेमेतरा से रतनपुर आए। यहां कसडोल के मालगुजार से आपकी मुलाकात हुई और उनके कहने पर मुख्तियार के रूप में काम किए। बाद में आप शिवरीनारायण के तहसील कार्यालय में खजांची के पद पर कार्य करने लगे। यहीं से ही आपकी काव्य रचना की शुरूआत हुई। आप महंत गौतम दास के अत्यंत प्रिय थे। उन्हीं की आज्ञानुसार आपने पं. ऋषिराम और पं. विश्वेश्वर प्रसाद त्रिपाठी के सहयोग से 'श्री शिवरीनारायण माहात्म्य' को संस्कृत से ब्रज भाषा में अनुवाद किए। इसके अलावा आपकी दो कृतियां भक्ति विषयक पदावलियां छत्तीसगढ़ी रहस में खूब प्रचलित थी। आज भी यत्र-तत्र उनके द्वारा लिखित पौराणिक कथाओं का वाचन पंडित लोग करते हैं। देखें यहां उनका एक काव्य-

समरस गोपी एक कन्हैय्या तामें देखे तामे हैं।
एक से एक बनी सखियां सब दामिनी जनु मेघा में है।
नील मनि बीच कनक के जनग्रंथित बलमा में है।
तोई बामा कह गए स्थान के कोई लपटात हिया में है।
है अविनासी घट-घट वासी सुद्ध-असुद्ध घिया में है।

आप अपने जीवन के अंतिम समय में जांजगीर आकर निवास करने लगे, और अंतिम यात्रा आपने यहीं पूरी की।

विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का परसपुर में भव्य आयोजन

प्रखर जखनिया गाजीपुर। विकासखंड जखनियां के ग्राम सभा परसपुर में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सरकार द्वारा पात्र लाभार्थियों को सम्मानित भी किया गया। उक्त अवसर पर भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष प्रमोद वर्मा ने कहा 2014 से जब से भारत में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी और 2017 में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की सरकार बनी, देश व प्रदेश का स्वरूप बदला है। परसपुर मे विकास की धारा लगातार बह रही है। ग्राम सभा के लोग सरकार द्वारा योजनाओं का लाभ बेहतर तरीके से प्राप्त कर रहे हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से उपस्थित विभागीय कर्मचारियों ने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ सबको मिल रहा है। बोलते हुए वक्ताओं ने कहा कि जिन गरीब लोगों को अभी आवास नहीं मिला है। उनको आवास मिलेगा, जिनको किसान सम्मान निधि नहीं मिली है, उनको किसान सम्मन निधि मिलेगी, जो भी हमारे बुजुर्ग माताएं, विधवा बहने, दिव्यांग बन्धु व बुजुर्ग लोग पेंशन से वंचित हैं। उनको पेंशन मिलेगी, नौजवानों को मोदी की गारंटी पर उनके उद्योग को बढ़ावा देने के लिए खुद के रोजगार खोलने के लिए बैंक से ऋण प्राप्त होगा।

और आने वाले समय में कोई भी पात्र परिवार नहीं बचेगा जिसको सरकारी योजनाओं का लाभ न मिले,यह मोदी की गारंटी है। आज देश विकास के पथ पर अग्रसर है देश समता मूलक समाज के साथ, संस्कृतिक, सामरिक, आर्थिक रूप से मजबूत हुआ है। विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में बोलते हुए परसपुर प्रधान प्रतिनिधि सूरज सिंह "काकू" ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा यह जो विकसित संकल्प यात्रा की गाड़ी गांव- गांव घूम रही है, उससे लोगों का विश्वास बढ़ा है। प्रदेश की योगी सरकार पर भी लोगों का विश्वास लगातार बढ़ता जा रहा है। सरकार निचले स्तर के सभी लोगों को सारी सुविधाएं पहुंचाने के लिए कटिबद्ध है। प्रधान के माध्यम से सारी सुविधाएं निरंतर लोगों तक पहुंच रही है। कार्यक्रम को पूर्व जिला पंचायत सदस्य अवधेश यती ने संबोधित करते हुए कहा भारत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व के अग्रणी पंक्ति में खड़ा हो गया है। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता दयाशंकर सिंह, इंद्रदेव कुशवाहा, खंड विकास अधिकारी संजय गुप्ता, भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष उमाशंकर यादव, परसपुर ग्राम प्रधान सूरज सिंह काकू, शहाबपुर ग्राम सन्तरा देवी, प्रधान प्रतिनिधि सर्वानन्द गिरी, सहायक विकास अधिकारी रामकमल गौरव, आरती सिंह, निर्मला देवी, विजय बहादुर सिंह, रामचन्द्र सिंह, बाबूलाल राम, जितेंद्र राम, इम्तियाज अहमद, सकीना, अनुराधा सिंह, सेन यादव जखनियां ब्लॉक खंड के विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी सचिव सहित भारी संख्या में सम्मानित जनता एवं लाभार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पुनीत सिंह द्वारा किया गया।

जिले की पहली ऐक्टिंग स्कूल अभिनय एकेडमी का हुआ भव्य उद्घाटन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गाजीपुर की प्रथम एक्टिंग एकेडमी 'अभिनय एकेडमी' का भव्य उद्घाटन 17 जनवरी 2024 बुधवार को नौकापुरा मुहल्ले, पुरानी गली में सम्पन्न हुआ। उद्घाटन का आरंभ पूजा व आरती से हुआ, तत्पश्चात मुख्य अतिथि अरुण कुमार सिंह पूर्व चेयरमैन, जिला सहकारी बैंक, गाजीपुर ने फीता काट कर एकेडमी का शुभारंभ किया गया। एकेडमी के मैनेजिंग डायरेक्टर संजीव अरुण कुमार का उत्साहवर्द्धन करते हुए उन्होंने कहा कि कर्मक्षेत्र में जो योगी की भाँति चलते हैं, वे ही कर्मयोगी बनते हैं। अरुण सिंह ने अच्छी सोच को शुभकामनाएँ देते हुए एकेडमी के स्वर्णिम भविष्य की कामना प्रकट की। एकेडमी की तरफ से अंगवस्त्रम प्रदान कर उनका सम्मान किया गया। गीत-संगीत के मधुर वातावरण में उद्घाटन समारोह संगीतमय हो गया। उद्घाटन में सम्मिलित होने वालों

का सिलसिला रात्रि 9 बजे तक चलता रहा। 'अभिनय एकेडमी' का उद्देश्य गाजीपुर में विभिन्न कलाओं का प्रसार करना है। अभिनय, गायन, नृत्य व वादन चारों कला का प्रशिक्षण एक ही एकेडमी में प्रशिक्षित शिक्षकों के मार्गदर्शन में होगा। मैनेजिंग डायरेक्टर संजीव अरुण कुमार ने एकेडमी के बारे में बताते हुए कहा कि यह एकेडमी गाजीपुर वासियों के लिए एक सुअवसर है अभिनय जगत में अपना भविष्य बनाने के लिए। उद्घाटन समारोह में चंद्रशेखर, मनोज पांडेय, प्रिंस सिंह, डॉक्टर विजेंद्र प्रताप सिंह, प्रमोद सिन्हा, डॉक्टर राजेश सिंह, मनोज सिंह , सुनील सिंह, शीर्ष दीप शर्मा, मनीष पाल, सुरजीत कुमार, हिमांशु यादव, प्रद्युमन यादव, शुभम राय, विशाल सिंह, समीर यादव, वेद प्रकाश राय, अनुश्री श्रीवास्तव, डॉ.उरूज फातिमा, स्नेहा वर्मा, माया नायर, मिश्रीलाल निषाद, प्रदीप राय, आबिद राइनी, पुष्कर उपाध्याय आदि लोग उपस्थित रहे! अकेडमी के निदेशक संजीव अरुण कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जल जीवन मिशन के तहत एल. ई.डी .होर्डिंग जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

प्रखर संतकबीर नगर। उत्तर प्रदेश राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा केंद्र सरकार के द्वारा ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु जल जीवन मिशन के तहत यह युद्ध स्तर पर जागरूक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं इसी क्रम में आज विकास खण्ड मेहदावल पर राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन,नमामि गंगे तथा ग्रामीण जिला पूर्ति विभाग उत्तर प्रदेश शासन जल जीवन मिशन हर घर जल के अंतर्गत आउटडोर एल.ई.डी. होर्डिंग एक्शन फॉर रूलर डेवलपमेंट की टीम को विकाश खण्ड अधिकारी श्री सुरेश कुमार मोर्या,सहायक विकास अधिकारी पंचायत श्री राजेश कुमार पाण्डे व सचिन व

ग्राम प्रधान एवं अन्य अधिकारी गण द्वारा हरी झंडी दिखाकर विकास खण्ड स्तरीय व राजस्व स्तरीय एल.ई.डी.व होर्डिंग फ्लेक्सी बैनर जनपद स्तरीय तहसील,ग्राम पंचायत व राजस्व स्तर के लिए रवाना किया । जो पूरे ब्लाक स्तरीय व राजस्व स्तरीय पर आई.ई.सी. गतिविधियों के माध्यम से जन जागरूकता का कार्य करेंगी एक्शन फॉर रूरल डेवलपमेंट संस्था डी.पी.सी. सक्षम प्रताप सिंह व सहायक डी.पी.सी. नीरज जायसवाल के द्वारा ब्लॉक स्तर,राजस्व एवं ग्राम पंचायत के लिए रवाना किया गया।

प्रभु श्रीराम को अपने घर वापसी में 500 वर्षो का करना पड़ा : प्रमोद वर्मा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्थानीय जखनिया में आज पूर्व मंडल अध्यक्ष उमाशंकर यादव के नेतृत्व में राम भक्त कार्यकताओं ने कवला जखनिया ग्राम सभा में अयोध्या से आया पूजित अक्षत व चित्र आमंत्रण कार्ड हर घर-घर जाकर वितरण किया। उक्त अवसर पर भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रमोद वर्मा ने कहा पूरा देश राममय हो गया है। सबके हृदय में बसने वाले मयार्दा पुरुषोत्तम राम के प्राण प्रतिष्ठा के उत्सव को लेकर जन-जन में उत्साह का माहौल है। लोग प्रभु श्री राम के राम मंदिर में विराजमान होने की शुभ बेला का इंतजार कर रहे हैं। हर कोई उस अलौकिक दृश्य का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। प्रभु श्री राम कण-कण में बसते हैं और हर हृदय में बसते हैं, जिनकी पूजा हर घरों में होती है। उनको ही अपने घर में वापसी के लिए 500 वर्षों का लंबा इंतजार करना पड़ा। असंख्य भक्तों ने इस शुभ अवसर के लिए अपने प्राणों को बलिदान कर दिया यह उसका ही प्रतिफल है की ऐतिहासिक पल 22 जनवरी को आया है। पूरे समाज के लिए यह बहुत ही मंगलमय और स्वाभिमान का दिवस है। वर्मा ने कहा हम लोगों के लिए प्रभु श्री राम का भव्य मंदिर निर्माण और उनकी प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम किसी स्वप्न से कम नहीं है। जो कामना हमारे पूर्वजों की नहीं पूरी हुई वह हम लोगों के जीवन में पूरा हो रहा है, इससे ज्यादा सौभाग्य की बात हम हिंदू समाज के लिए क्या हो सकती है। उमाशंकर यादव ने कहा इस उत्सव को पूरा देश धूमधाम से दीपोत्सव के रूप में मनाएगा।

सभी लोगों से निवेदन किया गया की प्राण प्रतिष्ठा के दिन अपने आसपास के मंदिरों में घरों में पूजन, हवन, कीर्तन का कार्यक्रम करें और शाम को प्रभु श्री राम के नाम पर प्रभु राम ज्योति जलाकर भव्य दीपावली मनाएं। इस अवसर पर अशोक यादव, मोहित चौहान, निशंक यादव, प्रवीण, ओमप्रकाश विश्वकर्मा, कुटूर, पन्नालाल राम, आशीष कुमार, सपनू, सोनू यादव, दीपचंद गुप्ता, राजेश पांडेय सहित प्रमुख लोग मौजूद रहे।

पड़ोखर कोटेदार के खिलाफ दर्जनों भर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

ग्रामीणों की शिकायत पर सख्ती करने पर कोटेदार ने गांव के विकास की दर्ज कराई लोकायुक्त जांच की शिकायतः मुन्ना गोस्वामी

प्रखर संतकबीरनगर। खलीलाबाद तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत पड़ोखर में मंगलवार को दर्जनों की संख्या में ग्रामीणों ने कोटेदार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। आरोप है कि कोटेदार द्वारा एक कार्डधारक को चार यूनिट पर 20 किलोग्राम की जगह 15 किलोग्राम ही राशन दिया जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि हम लोगों ने इसकी शिकायत ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मुन्ना गोस्वामी से की थी। इस पर उन्होंने कोटेदार के खिलाफ जब सख्ती की तो कोटेदार द्वारा गांव के विकास में रोड़ा डालने के लिए लोकायुक्त जांच की सिफारिश की है। हम लोग इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे। भारतीय किसान यूनियन भानु गुट के नेता मुन्ना गोस्वामी ने बताया कि गांव की बंजर भूमि पर बरसों से होलिका दहन की परंपरा का निर्वहन किया जा रहा था। इस पर गांव के कुछ लोग और कोटेदार दोनों मिलीभगत कर बंजर भूमि पर कब्जा करने की नीयत में थे और रास्ते में बाउंड्री कराने लगे।

इस पर जब शिकायत की गई तो तत्कालीन एसडीएम खलीलाबाद व तहसीलदार ने रास्ते में चल रहे निर्माण कार्य को रोक कर कोटेदार के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया। इससे नाराज कोटेदार ग्रामीणों को धमकी देते हुए राशन में घटतौली करने लगा। आगे बताया कि एक कार्ड धारक को चार यूनिट पर 20 किलोग्राम की बजाय कोटेदार द्वारा लोगों को 12 से 15 किलोग्राम ही राशन दिया जाने लगा। आरोप लगाया कि कोटेदार द्वारा गांव के ही मिथलेश गुप्ता को गल्ले का अनाज घटतौली कर बेचा जाता है। कोटेदार की अनियमितता इस कदर है कि जिन कार्ड धारकों के घर में बेटियों की शादी हो चुकी है उनको भी कम अनाज देकर उनके हिस्से के गल्ले को मिथिलेश गुप्ता के हाथों में बेच दिया जाता है और मृतकों के भी नाम पर गोदाम से खाद्यान्न लिया जाता है और मौके पर अपने रजिस्टर में उनके परिवार को राशन नहीं दिया जाता है। इसी मामले में उनके खिलाफ जिला प्रशासन से शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसे बदले की भावना से कोटेदार और उनके सहयोगियों ने मिलकर गांव के विकास को अवरुद्ध करने के लिए लोकायुक्त जांच की सिफारिश की है।

बीएचयू में मुनव्वर राना के लिए श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई

प्रखर वाराणसी। मधुबन वाटिका बीएचयू में दिवंगत शायर मुनव्वर राना के लिए श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई। ज्ञातव्य है कि 14 जनवरी 2024 को मुनव्वर साहब के मृत्यु के वजह से साझा संस्कृति मंच और मधुबन गोष्ठी के संयुक्त कोशिश से आज का ये श्रद्धांजलि कार्यक्रम हुआ। मुनव्वर साहब के चित्र पर पुष्प अर्पण करके छात्रों बुद्धिजीवियों और नागरिक समाज के लोगों ने श्रद्धासुमन अर्पित किया। सभा मे उर्दू शोधकर्ता ने कहा कि रिवायती मुशायरों का बादशाह शायर हमारे बीच से चला गया । 26 नवम्बर 1952 को रायबरेली में पैदा हुए,तो सारी जिन्दगी रायबरेली का कलमा पढ़ते रहे । कलकत्ता में अब्बा के साथ ट्रक के पहियों संग जिन्दगी शुरू की और धीरे धीरे अपना खुद का ट्रांसपोर्ट खड़ा कर दिया । एक शायर दिल इंसान एक कामयाब बिजनेसमैन बन गया । ट्रक के पहिये जितना चलते,उससे ज्यादा मुनव्वर साहब की किताबें चलती । बाजार में उनकी धूम थीं तो मुशायरों में उनका जलवा,जिन्दगी पूरी तरह मेहरबान थी इस मर्म छूकर शेर कहने वाले शख्स पर।

किसान आन्दोलन के समय शायर के अंदर बैठे सजग

हिन्दोस्तानी ने लिखा, " संसद को गिराकर खेत बना दो, इस मुल्क के कुछ लोगों को रोटी तो मिलेगी। अब ऐसे ही बदलेगा किसानों का मुकद्दर, सेठों के बनाए हुए गोदाम जला दो "। कई दफा लेखकों की कलम ने सत्ता की कमर तोड़ी है। मुंशी प्रेमचंद ,दिनकर, पाश धूमिल और भी बहुत बड़े लेखक हुए है जिनकी कलम से क्रांति की मशाल जली। इस शेर को इसी धारा के अंतर्गत देखा पढा जाना चाहिए। बीते दस साल में खास तौर पर पत्रकार उन्हें मसाला खबर के लिए ढूंढते थे। मुनव्वर भी कभी मायूस नही करते,जो दिल मे आया कह डाला,उसका असर जब होगा, तब होगा। मुनव्वर राना का उर्दू अदब में बड़ा भारी काम रहा। ' माँ ' पर लिखते समय उनकी कलम में माँ सरस्वती स्वयं बैठ जाती थीं शायद। मुशायरों के मंच पर घर, भाई, गांव और माँ पर जब वो शेर कहना शुरू करते थे उनमें किसी पीर फकीर की दीवानगी और बन्दगी दिखती थी। " ये ऐसा कर्ज. है जो मैं अदा कर ही नहीं सकता

मैं जब तक घर न लौटूँ मेरी माँ सज्दे में रहती है " शेर कहते समय वो किसी छोटे बच्चे सदृश मालूम होते हैं जो अपनी माँ से लिपट जाना चाहता है। मां के आंचल में खो जाने को लालायित ये शायर ठीक उसी समय " एक आँसू भी हुकूमत के लिए खतरा है तुम ने देखा नहीं आँखों का समुंदर होना " कहते हुए पूरी तरह से सजग राजनीतिक वक्तव्य दे रहा होता है। श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से, रोशन, सोनाली, राणा रोहित, नीरज, धनंजय त्रिपाठी, विवेक, शाश्वत, इन्दु, जागृति राही, साक्षी, प्रज्ञा, वंदना, समर, शांतनु, आनंद, अभिनव,संगम, अर्पित समेत दर्जनों साहित्य प्रेमी मौजूद आदि मौजूद रहे।

कड़ाके की ठंड के बावजूद धूमधाम से संपन्न हुआ गुरु गोविंद सिंह जी का प्रकाश पर्व

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जनपद के मुहम्मदाबाद क्षेत्र अंतर्गत सदर चौक स्थित गुरुद्वारा में आज गुरु गोविंद सिंह जी का प्रकाश पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर भजन कीर्तन व लंगर का भी आयोजन किया गया। सुबह से ही श्रद्धालुओं का गुरुद्वारा में आना आरंभ हो गया। गुरुद्वारा में इस कड़ाके की ठंड व गलन में भी लोगों की आस्था भारी पड़ी ।सामाजिक समानता के पुरोधा ,मानव कल्याण की प्रतिमूर्ति और वीरता के पर्याय गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती पर काफी श्रद्धालुओं ने भाग लिया। स्थानीय नगर की प्रसिद्ध समाजसेविका मीरा राय ने भी भजन कीर्तन में सम्मिलित होकर गुरु गोविंद सिंह का आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रद्धालुओं ने सभा में उपस्थित होकर गुरु गोविंद सिंह के विचारों को सुना। इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रधान सतनाम सिंह सरजा, सरदार दलजीत सिंह, त्रिलोचन सिंह ,तजेंद्र सिंह ,व कई श्रद्धालु उपस्थित रहे। लंगर का भी आयोजन किया गया जो देर शाम तक चलता रहा।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व चेयरमैन कुंवर दीपक सिंह के अग्रिम जमानत की अर्जी खारिज

मामला दूसरे की जमीन को किसी अन्य को गलत ढंग से लीज पर देने का

प्रखर जौनपुर। जिला सहकारी बैंक लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन कुंवर दीपक सिंह सहित दो के खिलाफ धोखाधड़ी के दर्ज मुकदमे के बाबत आरोपी ने अग्रिम जमानत के लिये जौनपुर न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिया जिसे विद्वान न्यायाधीश ने मामले की गम्भीरता को देखते हुये खारिज कर दिया। बता दें कि मूल रूप से भदोही के रहने वाले एवं मुम्बई में रह रहे शत्रुघ्न सिंह की शिकायत पर जौनपुर शहर कोतवाली पुलिस ने कुंवर दीपक सिंह पुत्र कुंवर वीरेन्द्र प्रताप सिंह निवासी टेकारी थाना सिकरारा एवं अनूप शुक्ला मालिक सिटी कार्ट मॉल पालिटेक्निक चौराहा थाना शहर कोतवाली के खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 467, 468 व 506 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। शिकायतकर्ता शत्रुघ्न सिंह निदेशक वीआईपी रियल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के अनुसार उनकी कम्पनी के नाम से जौनपुर शहर के उमरपुर हरिबंधनपुर में आवासीय जमीनी है। शिकायतकर्ता के अनुसार कुंवर दीपक सिंह ने उस जमीन पर मेरे रुपए से बनाये गये भवन को सिटी कार्ट नामक माल के मालिक को लीज पर दे दिया जो गैरकानूनी है। उसी शिकायत के आधार पर बीते 18 सितम्बर 2023 को कुंवर दीपक सिंह व अनूप शुक्ला के खिलाफ उपरोक्त धारा में मुकदमा दर्ज हुआ है। उसी को लेकर आरोपी ने जौनपुर न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिये प्रार्थना पत्र दिया जिसे विद्वान न्यायाधीश ने खारिज कर दिया।

सिसवा - महन्थ में अखंड रामायण पाठ, यज्ञ व पूणार्हुति 22 जनवरी को

प्रखर कसया, कुशीनगर। अयोध्या में राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर नगरपालिका परिषद कुशीनगर अंर्तगत वार्ड संख्या 22 महन्थ अवैद्यनाथ नगर (सिसवा - महन्थ) में 22 जनवरी दिन सोमवार सायं चार बजे से अखण्ड रामायण पाठ, यज्ञ एवं पूणार्हुति कार्यक्रम आयोजित है। उक्त जानकारी आयोजक जितेंद्र विश्वकर्मा ने दी है। कहा कि अयोध्या में राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर अखण्ड रामायण पाठ का भव्य तरीके से आयोजन किया गया है। उन्होंने विशिष्ट जनों व आम जन मानस से उक्त कार्यक्रम व प्रीति भोज में शामिल होने की अपील की है।

जफराबाद थाने से मिला लावारिश शव का इंतजामिया कमेटी ने किया अंतिम संस्कार

प्रखर जौनपुर। शहर स्थित हजरत भुंदरा शाह कब्रिस्तान पर लावारिस लाश इंतजामिया कमेटी के द्वारा एक शव जो हल्का नंबर चार कस्बा पुलिस चौकी थाना जफराबाद द्वारा पोस्ट मार्टम के बाद प्राप्त हुआ था को सुपुर्दे खाक किया गया उक्त शव के बारे मे पुलिस ने सूचना दी की 72 घंटा पहले मृत हालत में गोमती नदी किनारे मिला जिसको किसी ने पुलिस को सूचना देकर बताया, अखबार और टीवी पर सूचना देने पर कोई भी वारिस नहीं आया तो पोस्टमार्टम के बाद उक्त कमेटी को सौंप दिया गया। पत्रकार रियाजुल हक की देखरेख में अब तक दर्जनों शव मुस्लिम समुदाय का उक्त कमेटी दफन करवा चुकी है।उपाध्यक्ष बख्तियार आलम ने बताया की अगर प्रशासन को कोई भी लावारिस लाश मुस्लिम समुदाय की मिलती है तो उस शव को उक्त टीम पूरे मुस्लिम रीति रिवाज से दफनाने का कार्य करती है, ।एसपी सिटी बृजेश कुमार ने बताया की किसी भी लावारिश लाश को 72 घंटे पहचान के लिए रखने के बाद जब कोई वारिस नही आता तो उसको अंतिम संस्कार के लिए कमेटी को सौंप दिया जाता है,उक्त मिट्टी की जनाजे की नमाज हाफिज माज हलीमी ने अदा कराई। मिट्टी में मुख्य रूप से सद्दाम हुसैन,मास्टर मेराज,डॉक्टर मोइनुद्दीन,जफर मसूद,खालिद अफजल,सेराज आसरा,खालिद मास्टर,सहजेब,आरिफ अंसारी,नदीम नौमानी,आरिफ खान,रिजवान ,लल्लू,सहित पुलिस विभाग से जयराम सिंह यादव और मनोज गौड़ आदि मौजूद रहे।

108 एंबुलेंस ने गंभीर हार्ट के मरीज की बचाई जान, तत्परता से पहुंचाया बीएचयू

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। 108 और 102 एम्बुलेंस स्वास्थ्य विभाग की तरफ से आमजन के लिए निशुल्क एक ऐसी सुविधा जिससे अब तक न जाने कितने लोगों की जान बचाई जा चुकी है। इसी कड़ी में बुधवार को एक बार फिर हार्ट प्रॉब्लम के क्रिटिकल मरीज को जिला अस्पताल से हायर सेंटर बीएचयू वाराणसी को इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन की देखरेख में पहुंचाया गया। रास्ते में स्थिति गंभीर होने पर इलाज करते हुए मरीज को बीएचयू वाराणसी में एडमिट कराया गया। जहां उसकी हालत खतरे से बाहर है। 102 और 108 एंबुलेंस के प्रभारी दीपक राय ने बताया कि करंडा ब्लॉक के लोखंच आंध्रकला गांव के रहने वाले कालू बिंदु जिनके हार्ट में प्रॉब्लम थी। वह जिला अस्पताल में एडमिट थे। यहां के डॉक्टर के द्वारा उन्हें बेहतर इलाज के लिए बीएचयू वाराणसी के

लिए रेफर किया था। जिसके लिए 108 एंबुलेंस की डिमांड की गई और उस डिमांड के सापेक्ष मनिहारी ब्लॉक के ईएमटी संतोष यादव और पायलट कन्हैयालाल कन्हैया लाल यादव अपनी गाड़ी लेकर तत्काल जिला अस्पताल पहुंचे। उसके बाद मरीज को वाराणसी के लिए रेफर कर कर चले। इस दौरान रास्ते में एक दो जगह मरीज को समस्या आई।। जिसके लिए इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन संतोष यादव ने ईआरसीपी से सलाह लेकर मरीज को रास्ते में दवा देते हुए बीएचयू तक पहुंचाया। जहां पर उसे एडमिट करा कर उसका इलाज शुरू किया गया। जहां पर वह खतरे से बाहर है।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह'
द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस'
सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001
से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं